दैनिक बुद्ध का संदेश
हिन्दी समाचार पत्र
एक विश्वास....
आलिया की अल्फा ने पकड़ी ...8
सिद्धार्थनगर
शुक्रवार ,10 जुलाई 2026
वर्षः 13 अंक :208 पृष्ठः 8
आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया
लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, रामपुर, रायबरेली, सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।
सम्पादक : राजेश शर्मा
दैनिक बुद्ध का संदेश 8795951917, 9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com
उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

आतंकवाद मानवता के लिए चुनौती

पीएम नरेन्द्र मोदी का पाकिस्तान पर बड़ा प्रहार, ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री ने भी दिया जख्मों पर नमक

ग्लोबल सिक्योरिटी के मुद्दे पर मजबूत और एकजुट रुख अपनाते हुए, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि सीमा–पार आतंकवाद दुनिया की स्थिरता के लिए एक बड़ा खतरा है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि नई दिल्ली और कैनबरा मिलकर आतंकी नेटवर्क को खत्म करने के साझा अभियान में मजबूती से एकजुट हैं। मेलबर्न में तीसरे भारत–ऑस्ट्रेलिया सालाना शिखर सम्मेलन के बाद ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज के साथ एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, पीएम मोदी ने दोनों लोकतांत्रिक देशों के बीच बढ़ते ऑपरेशनल तालमेल का जिक्र किया। पीएम मोदी ने कहा कि आज हमने कई क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। भारत और ऑस्ट्रेलिया का मानना घ्ध्है कि आतंकवाद न केवल किसी एक देश के लिए, बल्कि पूरी मानवता के लिए एक गंभीर चुनौती है। इसलिए, आतंकवाद के खिलाफ हमारी लड़ाई साझा है, हमारा संकल्प अटूट है और इस क्षेत्र में हमारा सहयोग लगातार मजबूत हो रहा है। दुनिया भर में तनावपूर्ण और संवेदनशील हालात के बीच, प्रधानमंत्री ने भारत के इस सैद्धांतिक रुख को मजबूती से दोहराया कि सैन्य टकराव से कोई स्थायी समाधान नहीं निकल सकताय उन्होंने कहा कि भू–राजनीतिक तनाव की जगह बातचीत के जरिए समाधान निकाला जाना चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा हमारा यह भी मानना घ्ध्है कि दुनिया के कई हिस्सों में तनाव और युद्धों का समाधान केवल बातचीत और कूटनीति से ही हो सकता है। हम मिलकर पूरे इंडो–पैसिफिक क्षेत्र में शांति, स्थिरता, नेविगेशन की आजादी और नियमों पर आधारित व्यवस्था को और मजबूत करेंगे।

इस्तीफे पर कोई नाराजगी नहीं

चंपत राय को लेकर राम मंदिर ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष का बयान

अयोध्या। राम मंदिर के लिए मिले दान में कथित हेराफेरी की चल रही जांच के बीच, श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरी ने कहा कि ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय को अपने इस्तीफे को लेकर बिल्कुल भी कोई नाराजगी नहीं है और वे पूरी तरह स्वस्थ हैं। राय से मिलने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए गिरी ने कहा कि मेरा मुख्य मकसद उनकी सेहत का हाल जानना था। वे स्वस्थ और खुश हैं, और अपने इस्तीफे को लेकर उनके मन में कोई नाराजगी नहीं है... उन्हें कोई शिकायत नहीं है। मैंने कुछ स्थानीय साधु–संतों से भी मुलाकात की। गिरी ने आगे कहा कि उन्होंने स्थानीय साधु–संतों से भी मुलाकघत की, जिन्होंने ट्रस्ट के फैसलों पर संतोष जाहिर किया। उन्होंने पत्रकारों से कहा कि वे भी राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के फैसलों से सहमत और खुश हैं। उन्हें उम्मीद है कि हम पूजा–पाठ और कामकाज के इंतजामों में कुछ और सुध् ाार करेंगे, और हम इन सुधारों के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं... कल मैंने उस जगह का भी दौरा किया जहाँ चढ़ावे की गिनती होती है और वहाँ किए गए बदलावों का जायजा लिया। अब जिस तरह की सावधानी बरती जा रही है, उसे देखते हुए लगता है कि ऐसी घटना दोबारा कभी नहीं होगी। इस बीच, बुधवार को एक पुलिस टीम ने अयोध् या जिला जेल से तीन आरोपियों को पूछताछ के लिए अपनी कस्टडी में लिया, क्योंकि स्थानीय अदालत ने उन्हें एक दिन की पुलिस कस्टडी में भेजने की मंजूरी दी थी। मामले की चल रही जांच के तहत, आरोपियों – लवकुश मिश्रा, अनुकल्प मिश्रा और करुणेश पांडे – को जिला जेल से अयोध्या पुलिस लाइन्स ले जाया गया। **SIT** के मुताबिक, 27 अप्रैल से 5 जून के बीच के **CCTV** फुटेज की जांच में कथित तौर पर गिनती करने वाले कर्मचारी नोटों की गड्डियां और खुले पैसे अपने कपड़ों, जेबों, जूतों और दूसरी छिपी हुई जगहों पर छिपाते हुए दिखे। रिपोर्ट में ऐसी घटनाओं का भी जिक्र है जिनमें दूसरे कर्मचारी ऐसी गतिविधियों में मदद करते या उन्हें छिपाते हुए दिखे। **SIT** ने बताया कि जांच के दायरे में आए समय के दौरान चोरी या हेराफेरी के लगभग 70 मामले सामने आए।

बुंदेलखंड से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का एसपी पर बड़ा वार

कब्रिस्तान जिन्हें प्यारा, उन्हें राम मंदिर अच्छा नहीं लगता

बांदा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 9 जुलाई को बांदा में कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। उन्होंने बुंदेलखंड को औद्योगिक और रक्षा निर्माण के वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित करके इसे धरती का स्वर्ग बनाने का संकल्प लिया। पंडित जवाहरलाल नेहरू डिग्री कॉलेज के मैदान में भारी भीड़ को संबोधित करते हुए, मुख्यमंत्री ने बुंदेलखंड इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी के तहत बुंदेलखंड को एक प्रमुख औद्योगिक शहर के रूप में विकसित करने की योजनाओं की रूपरेखा पेश की। योगी ने भविष्यवाणी की कि इस क्षेत्र से होने वाला पलायन उलट जाएगा और कहा कि हम बुंदेलखंड को श्धरती का स्वर्गश बनाएंगे। भविष्य में, युवा यहां से पलायन नहीं करेंगेय बल्कि, दुनिया भर से लोग नौकरियों के लिए बुंदेलखंड आएंगे। हम इस क्षेत्र को एक श्डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोरश हब बना रहे हैं जहां ब्रह्मोस मिसाइलों का उत्पादन होगा। जब भारत इन्हें दागेगा, तो दुश्मन थर–थर कांपेगा। उन्होंने यह भी बताया कि लैंड माफियाओं के कब्जे से 64,000 एकड़ जमीन मुक्त कराई गई है। पिछले दशक में हुई प्रगति पर बात करते हुए, मुख्यमंत्री योगी ने 9.5 साल पहले बुंदेलखंड की अपनी पहली यात्रा को याद किया। उन्होंने उस समय के हालात को बेहद खराब बताया, जिसमें पलायन, पानी की कमी और माइनिंग व जमीन माफिया के साथ–साथ डकैतों का बोलबाला था। उन्होंने कहा कि जब मैं पहली बार 9.5 साल पहले बुंदेलखंड गया था, तो वहाँ हालात बहुत खराब थे। च्ड मोदी ने मुझसे कहा था कि ब्ड के तौर पर मेरी पहली यात्रा बुंदेलखंड की होनी चाहिए। उस समय बुंदेलखंड पलायन, पानी की कमी और अलग–अलग तरह के माफिया दृ जैसे माइनिंग माफिया, लैंड माफिया और डकैतों के आतंक दृ के लिए जाना जाता था। किसान भी अपने खेतों में जाने से डरते थे। वहाँ न तो कनेक्टिविटी थी, न पानी और न ही नौकरियां। आज बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे से जुड़ गया है और हर खेत और घर तक पानी पहुँच रहा है। अब जब भर्तियाँ होती हैं, तो बांदा के युवाओं को सरकारी नौकरी मिलती है। यह कभी एक सपना थाय अब यह हकीकत है। मुख्यमंत्री ने पिछली समाजवादी पार्टी सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि उसने सांस्कृतिक विरासत की अनदेखी की और उस पर बांटने वाली राजनीति को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी और दूसरों में फर्क है। बीजेपी मंदिर को सुंदर बनाने और विरासत को बचाने पर पैसे खर्च करती है। समाजवादी पार्टी के समय में, वही पैसा कब्रिस्तान की बाउंड्री वॉल बनाने पर खर्च किया जाता था। उन्हें कब्रिस्तान पसंद हैं, इसलिए वे राम मंदिर और काशी विश्वनाथ धाम का विरोध करते हैं। सीएम योगी ने स्थानीय उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मिली पहचान का जिक्र करते हुए बताया कि बांदा के शज्जर पत्थर को श्एक जिला एक उत्पादश योजना के तहत बढ़ावा दिया जा रहा है।

कांडला पोर्ट पर भारत का दबदबा, डीपीए ने बनाया वर्ल्ड–क्लास लोडिंग का नया National Record

कांडला के दीनदयाल पोर्ट अथॉरिटी ने अपनी ऑपरेशनल कामयाबियों की लिस्ट में एक और उपलब्धि जोड़ी है। उन्होंने **MV BUZZARD** पर 38,500 MT बेंटोनाइट की लोडिंग का काम शानदार ढंग से 22 घंटे और 25 मिनट में पूरा किया। लोडिंग का काम 2 जुलाई को शाम 04:05 बजे शुरू हुआ और 3 जुलाई को दोपहर 02:30 बजे पूरा हुआ। यह पोर्ट की ऑपरेशनल एक्सीलेंस, कुशलता और वर्ल्ड–क्लास कार्गो हैंडलिंग के प्रति प्रतिबद्धता को दिखाता है। यह शानदार उपलब्धि इसमें शामिल सभी स्टेकहोल्डर्स की कड़ी मेहनत और बेहतरीन तालमेल से संभव हो पाई। इनमें स्टीवडोर्स के तौर पर आशापुरा स्टीवडोर्स (आशापुरा शिपिंग ग्रुप की एक यूनिट), वेसल एजेंट के तौर पर स्पार्टन्स मरीन सर्विसेज, कस्टम्स हाउस एजेंट के तौर पर बालाजी इन्फ्रापोर्ट प्राइवेट लिमिटेड (आशापुरा शिपिंग ग्रुप की एक यूनिट) और एक्सपोर्टर्स जिम्पैक्स इमेरिस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड और भारत एब्रेसिव्स एंड केमिकल इंडस्ट्रीज शामिल हैं।

West Bengal में बीजेपा का कुनबा बढ़ा, टएमसी छोड़ Sushmita Dev समेत तीन पूर्व सांसदों ने ली सदस्यता

राज्यसभा से इस्तीफा देने के कुछ दिनों बाद, तृणमूल कांग्रेस (ज्ड६) के पूर्व नेता सुष्मिता देव, सुखेंदु शेखर रॉय और प्रकाश चिक बारिक पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में भारतीय जनता पार्टी (ठश्रच) में शामिल हो गए। वे ठश्रच की पश्चिम बंगाल इकाई के प्रमुख सामिक भट्टाचार्य की मौजूदगी में पार्टी में शामिल हुए। पश्चिम बंगाल में हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों में हार के बाद पार्टी में हुई बगावत के चलते जिन तीन नेताओं ने अपर हाउस और ज्ड६ से इस्तीफा दिया था, उनका ठश्रच में स्वागत किया गया। कोलकाता के साल्ट लेक स्थित राज्य मुख्यालय में भट्टाचार्य ने उन्हें पार्टी के झंडे सौंपे। मीडिया को जानकारी देते हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि राज्यसभा के ये तीन पूर्व सदस्य ठश्रच को मजबूत करेंगे, जो अब पश्चिम बंगाल में सत्ता में है।

केजरीवाल ने सरकार से की बड़ी मांग, पेट्रोल की कीमत 82 रुपये होनी चाहिए, 102 रुपये नहीं

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने गुरुवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में भारी कटौती की मांग की। उन्होंने तर्क दिया कि पिछले एक दशक में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में आई गिरावट का फायदा ग्राहकों को नहीं मिला है। पत्रकारों से बात करते हुए केजरीवाल ने मांग की कि पेट्रोल की कीमत मौजूदा 102 प्रति लीटर के बजाय 82 प्रति लीटर होनी चाहिए। उन्होंने केंद्र सरकार पर आरोप लगाया कि वह तेल मार्केटिंग कंपनियों को नाजायज मुनाफा कमाने दे रही है। केजरीवाल ने कहा कि पेट्रोल 102 प्रति लीटर के बजाय 82 प्रति लीटर मिलना चाहिए और डीजल की कीमतें भी कम होनी चाहिए। उन्होंने सरकार से अपील की कि कच्चे तेल की कम कीमतों का फायदा ग्राहकों तक पहुंचाया जाए। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री ने दावा किया कि 2014 के बाद से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतें कई बार गिरी हैं लेकिन इसका असर पेट्रोल–डीजल की खुदरा कीमतों पर नहीं दिखा। उन्होंने पूछा कि 2014 से अब तक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतें कम से कम छह बार घटी हैं लेकिन देश में पेट्रोल की कीमतें उस हिसाब से कम नहीं की गईं। इन सालों में जो भारी मुनाफा कमाया गया, उसका क्या हुआ? केजरीवाल ने तर्क दिया कि ईंधन की कीमतें कम करने से महंगाई का दबाव कम होगा और परिवारों व व्यवसायों, दोनों पर वित्तीय बोझ भी घटेगा। उन्होंने केंद्र पर यह आरोप भी लगाया कि वह तेल कंपनियों को ईंधन की कीमतें कृत्रिम रूप से ऊंची बनाए रखने की अनुमति दे रहा है, जबकि उन्हें सस्ते कच्चे तेल से होने वाले लाभ का फायदा जनता तक पहुंचाना चाहिए।

महाराष्ट्र में यूसीसी पर बड़ा कदम, जस्टिस रंजना देसाई की अगुवाई में कमेटी गठित

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने गुरुवार को राज्य में समान नागरिक संहिता लागू करने का मसौदा तैयार करने के लिए सात सदस्यीय समिति के गठन की घोषणा की। इस समिति की अध्यक्षता सुप्रीम कोर्ट की सेवानिवृत्त न्यायाधीश जस्टिस रंजना देसाई करेंगी। विधानसभा में घोषणा करते हुए फडणवीस ने बताया कि इस पैनल में हाई कोर्ट के पूर्व जज आर.सी. चव्हाण और एस.जी. मेहरे, महाराष्ट्र के पूर्व मुख्य सचिव डीके जैन, पूर्व एडवोकेट जनरल वीरेंद्र सराफ, संवैधानिक मामलों के जानकार रमेश पतंगे और शिक्षाविद सुवर्णा रावल शामिल हैं। उन्होंने कहा कि उम्मीद है कि समिति छह महीने के भीतर अपनी रिपोर्ट सौंप देगी। उन्होंने कहा कि हम नागपुर में राज्य विधानसभा के शीतकालीन सत्र में कानून पेश करने की कोशिश करेंगे। संविधान में राज्य के नीति–निर्देशकों का जिक्र करते हुए फडणवीस ने कहा कि इसी के तहत, यूनिफॉर्म सिविल कोड लागू करने का खाका तैयार करने के लिए जस्टिस (रिटायर्ड) रंजना देसाई की अध्यक्षता में सात सदस्यों वाली एक कमिटी बनाई गई है। मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि समिति न्ब्ब से जुड़े सभी कानूनी, सामाजिक और प्रशासनिक पहलुओं की विस्तृत जांच करेगी और छह महीने के भीतर राज्य सरकार को सिफारिशों के साथ एक रिपोर्ट सौंपेगी। इसके बाद सरकार समिति की सिफारिशों के आधार पर यूनिफॉर्म सिविल कोड का ड्राफ्ट तैयार करेगी। फडणवीस ने आगे कहा कि सरकार का लक्ष्य नागपुर में होने वाले आगामी शीतकालीन सत्र के दौरान विधानसभा और विध् ाान परिषद दोनों में यूनिफॉर्म सिविल कोड बिल पेश करना और उसे पारित कराना है।

राम मंदिर चंदा चोरीः अखिलेश यादव ने ट्रस्ट के पुनर्गठन की मांग की, बीजेपी पर साधा निशाना

लखनऊ। आरोपियों से पूछताछ जारी रहने के बीच, समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने गुरुवार को अयोध्या राम मंदिर के लिए मिले दान में कथित गड़बड़ियों को लेकर बीजेपी सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने इसे सनातन धर्म में महापाप बताया और मंदिर ट्रस्ट के पूरी तरह से पुनर्गठन की मांग की। लखनऊ में आध्यात्मिक गुरु स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के कार्यक्रम में उनसे मुलाकात के बाद पत्रकारों से बात करते हुए यादव ने कहा कि अयोध्या में उन्होंने अपने स्वार्थ के लिए भगवान श्री राम की गरिमा को ठेस पहुंचाई है। उन्होंने महापाप किया है। यादव ने आगे कहा कि हमारे सनातन ध् ार्म में धार्मिक चढ़ावे या दान में चोरी करने से बड़ा कोई पाप नहीं है। हर गांव और घर में इस बात पर चर्चा हो रही है कि उन्होंने दान और चढ़ावे का प्रबंधन कैसे किया। हमारा हिंदू धर्म और सनातनी लोग बहुत भावुक हैंय उन्हें इससे गहरा दुख पहुंचा है। सपा प्रमुख ने इस मामले की जांच कर रही सरकार की बनाई स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम को खारिज कर दिया। उन्होंने इसे श्लीपा–पोतीष बताया और इसकी विश्वसनीयता पर सवाल उठाए। उन्होंने दावा किया कि इसके एक सदस्य पर क्रिमिनल कोड की धारा 420 के तहत ध् ाोखाधड़ी के आरोप हैं। उन्होंने कहा कि यह एसआईटी (स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम) क्या है? यह सिर्फ लीपा–पोती है। यह SIT किसने बनाई? मैंने सुना है कि इसके एक सदस्य पर खुद ध् ाोखाधड़ी (धारा 420) के आरोप हैं। ऐसा व्यक्ति जांच कैसे कर सकता है? यह एक बड़ा मामला है जिसमें बीजेपी के बड़े नेता शामिल हैं। यादव ने आरोप लगाया कि इस विवाद में बीजेपी के एक सीनियर नेता द्वारा नकली डोनेशन कूपन छापने का मामला शामिल है। उन्होंने कहा कि बीजेपी के एक बड़े नेता द्वारा नकली डोनेशन कूपन/रसीदें छापने का मामला सामने आया था। मैं नाम नहीं लूंगा, लेकिन अब परतें खुल रही हैं। इससे न सिर्फ देश की छवि खराब होती है, बल्कि इंटरनेशनल इन्वेस्टमेंट भी रुकेगा। यादव ने इस कथित घोटाले को लेकर मंदिर ट्रस्ट के ट्रेजरर के इस्तीफे की मांग की। उन्होंने अधिकारियों पर आरोप लगाया कि वे विपक्ष को निशाना बना रहे हैं जबकि उनकी पार्टी की शिकायतों को नजरअंदाज कर रहे हैं।

अशोक गहलोत बोलेः राम मंदिर ट्रस्ट तुरंत भंग करो, देरी से बढ़ी नाराजगी

जयपुर। कांग्रेस नेता अशोक गहलोत ने राम मंदिर के लिए मिले चंदे में कथित हेराफेरी के मामले में जांच एजेंसियों और राजनीतिक नेतृत्व की तरफ से देरी से की गई कार्रवाई की आलोचना की है। उन्होंने कहा कि मंदिर के फंड का प्रबंधन करने वाले ट्रस्ट को सबूतों के साथ छेड़छाड़ का पता चलने के तुरंत बाद ही भंग कर दिया जाना चाहिए था। गहलोत ने इस मामले के सामने आने के शुरुआती दिनों में चुप्पी साधे रखने के लिए बीजेपी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (ै) की कड़ी आलोचना की। गहलोत ने सवाल किया कि कार्रवाई कब होगी? जब इस घटना की जानकारी पहली बार सामने आई, तो ब्ब्ज्ट फुटेज डिलीट कर दिया गया था। तुरंत की जाने वाली कार्रवाई ट्रस्ट को भंग करना और जांच शुरू करना होनी चाहिए थी। बाद में, थ्प् दर्ज की गई, ैप्ज बनाई गई और पहली गिरफ्तारी हुई। कई दिनों तक ै और ठश्रच की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। गहलोत ने आम नागरिकों के लिए मंदिर के भावनात्मक महत्व पर जोर देते हुए कहा कि कथित घोटाले से देशभर के श्रद्धालुओं में निराशा और नाराजगी है। उन्होंने कहा कि लोगों ने दान दिया। जिन लोगों ने 10 रुपये दिए, वे भी उतना ही ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं, जितना 1 लाख रुपये देने वाले।

डुमरियागंज ब्लॉक में इन दिनों गांवो का हाल बद से बदतर भ्रष्टाचार का अड्डा बना परसपुर

दैनिक बुद्ध का संदेश श्याम शुक्ला

सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थनगर जिले के अंतर्गत डुमरियागंज तहसील क्षेत्र के ग्राम पंचायत परसपुर में कूड़ा डंपिंग केंद्र के नाम पर सरकारी धन का बंदर बांट।ग्राम पंचायत परसपुर में स्वच्छता अभियान संचारी रोग पखवाड़ा को पलीता लगा रहे ग्राम प्रधान परसपुर।गांव के बगल ही सड़कों पर ही किया जा रहा कूड़ा डंप राहगीरों स्कूली बच्चों को दुर्गंध भरी रास्तों से गुजरना पड़ता है। लेकिन जिम्मेदारों को सरकारी धन में भ्रष्टाचार करने से फुर्सत कहां। गंभीर बीमारियों को दावत दे रहा ग्राम पंचायत परसपुर की बज बजाती कूड़ा आम आदमी का जीवन जीना हुआ दुश्वार भ्रष्ट जिम्मेदारों के चलते।जिम्मेदार कुंभकर्णी की नींद मे जब खबर चलता है तो संबंधित अधिकारी निरीक्षण के नाम पर करते हैं खानापूर्ति। कागजों में दिखाते हैं चमकता हुआ परसपुर ग्राम सभा कागजो पर डुमरियागंज में बहती है विकास की गंगा।कूड़ा डंपिंग केंद्र बनने में सरकारी धन का हुआ है बंदरबांट। बना हुआ कूड़ा डंपिंग केंद्र कमीशन खोरी के चक्कर में फर्श बैठ चुका कूड़ा डंपिंग का स्टोर रूम की दीवार टूट चुकी वर्मी कंपोस्ट का फर्श टूट चुका कूड़ा डंपिंग केंद्र परसपुर में धराशाई होने के कगार पर जांच पड़ताल के बिना ही कागजों में दिखाया जाता है संपूर्ण ब्लॉक डुमरियागंज का विकास लेकिन तस्वीर जो बयां करती हैं वह विकास नहीं सरकारी धन का साफ दिख रहा है विनाश। परदेस में बैठी योगी सरकार को जिम्मेदार अफसर के द्वारा लगाया जा रहा है चूना बनाया जा रहा है विकास की फाइलों का भंडार। इसी तरह से भ्रष्टाचार करके उत्तर प्रदेश की योगी सरकार को गुमराह करके ग्राम सभा में किया जा रहा है सरकारी धन का गोलमाल। आखिर कब तक ऐसा चलता रहेगा।

सिद्धार्थनगर में दो मेडिकल स्टोरों पर बड़ी कार्वाई

संदिग्ध दवाओं के नमूने सीज एक का लाइसेंस निरस्तीकरण के लिए भेजी संस्तुति

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जिलाधिकारी के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की टीम ने बुधवार को जिले में दो मेडिकल स्टोरों पर बड़ी कार्रवाई की। कार्रवाई के दौरान संदिग्ध दवाओं के नमूने जांच के लिए राजकीय प्रयोगशाला भेजे गए, दोनों प्रतिष्ठानों पर दवाओं की खरीद–बिक्री तत्काल प्रभाव से रोक दी गई और एक मेडिकल स्टोर का लाइसेंस निरस्त करने की संस्तुति भी भेजी गई है। जिलाधिकारी के निर्देश पर औषधि निरीक्षक मनोज कुमार सिंह ने एसएसबी अलीगढ़वा के सहयोग से 9 जुलाई 2026 को अलीगढ़वा बाजार स्थित मैसर्स डॉक्टर खान मेडिकल स्टोर पर छापेमारी की। निरीक्षण के दौरान औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 की धारा 22(1)(क) के अंतर्गत मेडिकल स्टोर पर दवाओं की खरीद–बिक्री तत्काल प्रभाव से रोक दी गई। इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक कपिलवस्तु को भी आवश्यक सूचना देकर बिक्री पर रोक सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। कार्रवाई के दौरान मेडिकल स्टोर से दो संदिग्ध औषधियों के नमूने संग्रहित कर जांच के लिए राजकीय प्रयोगशाला भेजे गए हैं। औषधियों की जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार विधिक कार्रवाई की जाएगी। इसी क्रम में बर्डपुर क्षेत्र के मैसर्स शशी फार्म, वार्ड नंबर–03, लोहिया नगर, बढ़नी का भी औचक निरीक्षण किया गया। यहां से तीन संदिग्ध औषधियों के नमूने लेकर राजकीय प्रयोगशाला भेजे गए। साथ ही औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 की धारा 22(1)(क) के तहत प्रतिष्ठान पर दवाओं की खरीद–बिक्री पर तत्काल रोक लगा दी गई। औषधि निरीक्षक ने बताया कि मैसर्स शशी फार्म के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए उसका लाइसेंस निरस्त किए जाने की संस्तुति सहायक आयुक्त (औषधि), बस्ती मंडल को भेज दी गई है। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

प्रेस विज्ञप्ति

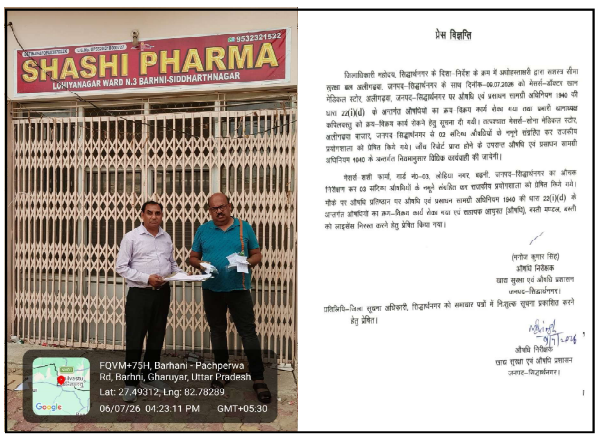

जिलाधिकारी महोदय, सिद्धार्थनगर के दिशा–निर्देश के क्रम में अधोहस्ताक्षरी द्वारा सशस्त्र सीमा सुरक्षा बल अलीगढ़वा, जनपद–सिद्धार्थनगर के साथ दिनांक–09.07.2026 को मेसर्स–डॉक्टर खान मेडिकल स्टोर, अलीगढ़वा, जनपद–सिद्धार्थनगर पर औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम 1940 की धारा 22(i)(d) के अन्तर्गत औषधियों का क्रय–विक्रय कार्य रोका गया तथा प्रभारी थानाध्यक्ष कपिलवस्तु को क्रय–विक्रय कार्य रोकने हेतु सूचना दी गयी। तत्पश्चात मेसर्स–सोना मेडिकल स्टोर, अलीगढ़वा बाजार, जनपद–सिद्धार्थनगर से 02 संदिग्ध औषधियों के नमूने संग्रहित कर राजकीय प्रयोगशाला को प्रेषित किये गये। जाँच रिपोर्ट प्राप्त होने के उपरान्त औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम 1940 के अन्तर्गत नियमानुसार विधिक कार्यवाही की जायेगी।

मेसर्स शशी फार्मा, वार्ड नं0–03, लोहिया नगर, बढ़नी, जनपद–सिद्धार्थनगर का औचक निरीक्षण कर 03 संदिग्ध औषधियों के नमूने संग्रहित कर राजकीय प्रयोगशाला को प्रेषित किये गये। मौके पर औषधि प्रतिष्ठान पर औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम 1940 की धारा 22(i)(d) के अन्तर्गत औषधियों का क्रय–विक्रय कार्य रोका गया एवं सहायक आयुक्त (औषधि), बस्ती मण्डल, बस्ती को लाइसेंस निरस्त करने हेतु प्रेषित किया गया।

(मनोज कुमार सिंह)
औषधि निरीक्षक
खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन
जनपद–सिद्धार्थनगर।

प्रतिलिपि–जिला सूचना अधिकारी, सिद्धार्थनगर को समाचार पत्रों में निःशुल्क सूचना प्रकाशित करने हेतु प्रेषित।

औषधि निरीक्षक
खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन
जनपद–सिद्धार्थनगर।

खेसरहा पुलिस की मिशन शक्ति टीम ने बालिकाओं को किया जागरूक

दैनिक बुद्ध का संदेश

खेसरहा। मिशन शक्ति फेज 5.0 (द्वितीय चरण) अभियान के तहत थाना शिवनगर डिड़ई पुलिस ने गुरुवार को थाना क्षेत्र के ग्राम रामनगर में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर बालिकाओं को महिला सुरक्षा, साइबर अपराध और आत्मरक्षा के प्रति जागरूक किया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद के मार्गदर्शन एवं क्षेत्राधिकारी बांसी शुबेंदु सिंह के पर्यवेक्षण में आयोजित कार्यक्रम का नेतृत्व थानाध्यक्ष बृजेश सिंह ने किया।मिशन शक्ति टीम ने बालिकाओं को गुड टच–बैड टच, नए कानूनों, साइबर अपराध से बचाव के उपाय, एंटी रोमियो अभियान तथा महिला सशक्तिकरण से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां दीं। साथ ही उन्हें सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत पुलिस को सूचना देने के लिए प्रेरित किया।इस दौरान छात्राओं को विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी भी दी गई। पुलिस ने बताया कि आपात स्थिति में 112 पुलिस आपातकालीन सेवा, 1090 वूमेन पावर हेल्पलाइन, 1930 साइबर अपराध हेल्पलाइन, 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन, 181 महिला हेल्पलाइन, 108 एंबुलेंस सेवा, 102 स्वास्थ्य सेवा, 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन तथा 101 अग्निशमन सेवा का उपयोग किया जा सकता है।कार्यक्रम में उपनिरीक्षक अयोध्या यादव एवं महिला मुख्य आरक्षी नीलम शुक्ला सहित मिशन शक्ति टीम के सदस्य मौजूद रहे। पुलिस अधिकारियों ने बालिकाओं से निर्भीक होकर अपनी सुरक्षा को प्राथमिकता देने और किसी भी प्रकार की घटना की तत्काल सूचना पुलिस को देने की अपील की।

लक्ष्मीगंज पुल का संपर्क मार्ग दलदल में तब्दील, ट्रेलर–ट्रक फंसे, स्कूल बसों का संचालन ठप

दैनिक बुद्ध का संदेश शशांक मिश्रा

खेसरहा। विकासखंड खेसरहा के बेलौहा–घोसियारी मार्ग पर नवनिर्मित लक्ष्मीगंज पुल का संपर्क मार्ग पहली ही बारिश में दलदल में तब्दील हो गया है। पुल के दोनों ओर संपर्क मार्ग पर गिट्टी और अन्य आवश्यक सामग्री डालने के बजाय केवल मिट्टी भर देने से हल्की बारिश के बाद पूरी सड़क कीचड़ से भर गई है। इससे ग्रामीणों, स्कूली बच्चों और वाहन चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।ग्रामीणों के अनुसार यह मार्ग क्षेत्र के कई गांवों को जोड़ने वाला प्रमुख संपर्क मार्ग है, जहां से प्रतिदिन सैकड़ों लोगों का आवागमन होता है। लेकिन सड़क पर कीचड़ और दलदल होने के कारण चार पहिया वाहनों का संचालन लगभग ठप हो गया है। गुरुवार सुबह करीब आठ बजे से एक ट्रेलर और एक ट्रक रास्ते में फंसे हुए हैं, जिससे दोनों ओर वाहनों की आवाजाही प्रभावित रही और लोगों को लंबा इंतजार करना पड़ा।स्थिति इतनी गंभीर है कि स्कूल बसें और बच्चों को स्कूल ले जाने वाली वैन भी पुल पार नहीं कर पा रही हैं। इससे कई विद्यार्थियों को स्कूल पहुंचने में परेशानी हुई, जबकि अभिभावकों में भी चिंता का माहौल बना हुआ है। वहीं सड़क पर फैली चिकनी मिट्टी के कारण दोपहिया वाहन चालक फिसलकर दुर्घटना का शिकार होने के डर से जोखिम उठाकर सफर करने को मजबूर हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यदि लगातार बारिश हुई तो यह मार्ग पूरी तरह बंद हो सकता है।स्थानीय निवासी रामरतन, हरिप्रसाद गुप्ता, उमेश चौधरी, अंकित विश्वकर्मा, अभिषेक चौधरी समेत अन्य ग्रामीणों और अभिभावकों ने बताया कि संपर्क मार्ग की बदहाल स्थिति से बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। उनका कहना है कि यदि किसी मरीज को अचानक अस्पताल ले जाना पड़े तो समय पर इलाज मिलना भी मुश्किल हो जाएगा। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि निर्माण कार्य में गुणवत्ता की अनदेखी की गई, जिसका खामियाजा अब आम लोगों को भुगतना पड़ रहा है।मामले में लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के अवर अभियंता के. मोहन लाल गुप्ता से जानकारी लेने का प्रयास किया गया तो उन्होंने कहा कि ष्कार्यालय पर आइए, तब जानकारी दी जाएगी।ष वहीं ठेकेदार के मुंशी ने कथित तौर पर कहा, ष्ऐसे रहेगा, जो करना है कर लो।ष इस कथित बयान से ग्रामीणों में नाराजगी और बढ़ गई है।ग्रामीणों ने जिला प्रशासन और लोक निर्माण विभाग से तत्काल हस्तक्षेप कर संपर्क मार्ग पर गिट्टी एवं अन्य आवश्यक निर्माण सामग्री डालकर सड़क को मजबूत कराने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि समय रहते मरम्मत नहीं कराई गई तो बरसात के पूरे मौसम में यह मार्ग आवागमन के लिए अनुपयोगी हो जाएगा और क्षेत्र के हजारों लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा।

बनौली मे लाखों का आरआरसी सेंटर बंद, सड़कों पर फैला कचरा

दैनिक बुद्ध का संदेश शशांक मिश्रा

खेसरहा। विकासखंड खेसरहा की ग्राम पंचायत बनौली में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन को बेहतर बनाने के उद्देश्य से लाखों रुपये की लागत से निर्मित रिसोर्स रिकवरी सेंटर (आरआरसी) आज भी संचालन का इंतजार कर रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि केंद्र के निर्माण के बाद से अब तक इसका उपयोग नहीं हो सका है, जिससे गांव की सफाई व्यवस्था पूरी तरह प्रभावित हो रही है। परिणामस्वरूप गलियों और मुख्य सड़कों के किनारे जगह–जगह कूड़े के ढेर लगे हैं और गांव में गंदगी का माहौल बना हुआ है।ग्रामीणों का कहना है कि सरकार ने स्वच्छ भारत मिशन के तहत कचरे के वैज्ञानिक निस्तारण के लिए आरआरसी सेंटर का निर्माण कराया था, लेकिन इसके संचालन की कोई प्रभावी व्यवस्था नहीं की गई। न तो नियमित रूप से घर–घर से कचरा एकत्र किया जा रहा है और न ही उसे आरआरसी सेंटर तक पहुंचाने की व्यवस्था है। ऐसे में लाखों रुपये की लागत से बना भवन केवल शोपीस बनकर रह गया है।गांव में खुले में पड़े कचरे से दुर्गंध फैल रही है। बरसात के मौसम में यह समस्या और गंभीर हो गई है। गंदगी के कारण मच्छरों और अन्य कीटों का प्रकोप बढ़ने से संक्रामक बीमारियों का खतरा भी मंडरा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते कचरे का उचित निस्तारण नहीं किया गया तो स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं बढ़ सकती हैं।ग्रामीण राममोहन, ऋषिकेश दूबे और प्रभुदयाल ने बताया कि गांव में नियमित कचरा उठान नहीं होने से लोग मजबूर होकर सड़कों और खाली स्थानों पर कूड़ा फेंक रहे हैं। उनका कहना है कि यदि आरआरसी सेंटर को जल्द संचालित कर दिया जाए तो गांव की सफाई व्यवस्था में काफी सुधार होगा और स्वच्छ वातावरण बनाए रखने में मदद मिलेगी।इस संबंध में ग्राम प्रधान विंध्यवासिनी के प्रतिनिधि विकास त्रिपाठी ने बताया कि शासन स्तर से कचरा संग्रहण, परिवहन और संचालन की आवश्यक व्यवस्था उपलब्ध न होने के कारण आरआरसी सेंटर शुरू नहीं हो पाया है। उन्होंने कहा कि जैसे ही आवश्यक संसाधन और व्यवस्था उपलब्ध होगी, केंद्र का संचालन शुरू करा दिया जाएगा।ग्रामीणों ने मांग की है कि संबंधित विभाग जल्द से जल्द आरआरसी सेंटर को संचालित कराए, ताकि सरकार की महत्वाकांक्षी स्वच्छता योजना का लाभ गांववासियों को मिल सके और लाखों रुपये की लागत से बनी यह परियोजना केवल कागजों तक सीमित न रह जाए।

बसडीला में अधूरा पड़ा लाखों का आरआरसी सेंटर, कमरों में रखा जा रहा भूसा

दैनिक बुद्ध का संदेश शशांक मिश्रा

खेसरहा। खेसरहा। विकासखंड खेसरहा की ग्राम पंचायत बसडीला में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन को बेहतर बनाने के उद्देश्य से लाखों रुपये की लागत से बनाए जा रहे रिसोर्स रिकवरी सेंटर (आरआरसी) का निर्माण कार्य लंबे समय से अधूरा पड़ा है। निर्माण कार्य पूरा न होने के कारण यह केंद्र अपने मूल उद्देश्य की पूर्ति नहीं कर पा रहा है। स्थिति यह है कि जहां कूड़े के पृथक्करण और निस्तारण की व्यवस्था होनी चाहिए, वहां भवन के कमरों का उपयोग ग्रामीण भूसा रखने के लिए कर रहे हैं।ग्रामीणों का कहना है कि आरआरसी सेंटर का निर्माण कई महीने पहले शुरू हुआ था, लेकिन अब तक इसे पूरा नहीं किया जा सका है। भवन में दरवाजे, खिड़कियां, फिनिशिंग और अन्य आवश्यक कार्य अधूरे पड़े हैं। निर्माण अधूरा होने के कारण पंचायत में ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन योजना प्रभावी ढंग से लागू नहीं हो पा रही है और स्वच्छता व्यवस्था भी प्रभावित हो रही है।ग्रामीणों का आरोप है कि लाखों रुपये खर्च होने के बावजूद निर्माण कार्य में लगातार लापरवाही बरती जा रही है। समय पर कार्य पूरा न होने से सरकारी धन का उद्देश्य पूरा नहीं हो पा रहा है और भवन भी धीरे–धीरे जर्जर होने लगा है। उनका कहना है कि यदि आरआरसी सेंटर समय से चालू हो जाए तो गांव में कचरे के वैज्ञानिक निस्तारण की व्यवस्था विकसित होगी, जिससे स्वच्छता अभियान को भी मजबूती मिलेगी।ग्रामीण रामसजीवन, मुन्नालाल, रामनरेश, सुनील कुमार, रामवृक्ष और राजकुमार ने बताया कि अधूरे निर्माण के कारण गांव को इस योजना का कोई लाभ नहीं मिल रहा है। उन्होंने मांग की कि निर्माण कार्य जल्द पूरा कर सेंटर को संचालित किया जाए, ताकि गांव की सफाई व्यवस्था बेहतर हो सके।ग्रामीणों ने संबंधित विभाग और जिला प्रशासन से मामले का संज्ञान लेकर निर्माण कार्य में तेजी लाने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि शीघ्र ही आरआरसी सेंटर को पूर्ण कर संचालित नहीं किया गया तो वे उच्च अधिकारियों से शिकायत करने के लिए बाध्य होंगे। उनका मानना है कि सरकार की स्वच्छता योजनाओं का वास्तविक लाभ तभी मिलेगा, जब अधूरी परियोजनाओं को समयबद्ध तरीके से पूरा कर उपयोग में लाया जाए।

प्रेमी युगल ने मंदिर में रचाई शादी, पिता की मौजूदगी में प्रेम विवाह सम्पन्न

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। भवानीगंज थाना क्षेत्र में प्रेम प्रसंग का एक मामला सुखद मोड़ पर पहुंच गया। घर से गई युवती के बरामद होने के बाद परिजनों की सहमति से प्रेमी युगल का मंदिर में विवाह करा दिया गया। भवानीगंज थाना क्षेत्र के सागर रौजा गांव की 21 वर्षीय युवती 27 जून को अपने प्रेमी के साथ घर से चली गई थी। युवती के साथ उसकी नाबालिग छोटी बहन भी थी। इस मामले में युवती के पिता ने 30 जून को भवानीगंज थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 9 जुलाई को युवती, उसकी छोटी बहन और प्रेमी को बरामद कर लिया। इसके बाद युवती को उसके पिता के सुपुर्द किया गया। युवती के बालिग होने और दोनों परिवारों की सहमति मिलने पर भवानीगंज स्थित दुर्गा मंदिर में प्रेमी युगल का विवाह संपन्न कराया गया। प्रेमी गोपाल पांडे, निवासी पिपरा इस्माइल, जनपद गोंडा ने बताया कि दोनों पिछले करीब पांच महीने से एक–दूसरे के संपर्क में थे और अब परिवार की मौजूदगी में शादी कर ली है। वहीं युवती अंजू शर्मा ने भी अपनी इच्छा से विवाह करने की बात कही। प्रेमी के पिता ने भी विवाह पर अपनी सहमति जताई। उधर, भवानीगंज थाना प्रभारी विजय शंकर सिंह ने बताया कि दर्ज मुकदमे में युवती को बरामद कर परिजनों के सुपुर्द किया गया था। आगे की कार्रवाई नियमानुसार की गई।

एसएसबी के निःशुल्क पशु चिकित्सा शिविर में पहुंचे सांसद जगदंबिका पाल, पशुपालकों को किया जागरूक

दैनिक बुद्ध का संदेश

बढ़नी / सिद्धार्थनगर। सीमावर्ती क्षेत्रों में पशुपालकों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की 50वीं वाहिनी, बलरामपुर द्वारा महादेव बुजुर्ग के मानपुर गांव में निःशुल्क पशु चिकित्सा ओपीडी का आयोजन किया गया। शिविर में पशुओं का स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक दवाएं एवं चिकित्सकीय परामर्श दिया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डुमरियागंज सांसद जगदंबिका पाल ने कहा कि पशुधन ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। समय पर उपचार, नियमित टीकाकरण और वैज्ञानिक तरीके से पशुपालन अपनाकर पशुपालक अपनी आय में उल्लेखनीय वृद्धि कर सकते हैं। उन्होंने एसएसबी द्वारा सीमावर्ती गांवों में संचालित जनकल्याणकारी गतिविधियों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे शिविर ग्रामीणों के लिए बेहद उपयोगी हैं। शिविर में सीवीओ एसजी एसएचक्यू गोरखपुर चंदन तालुकदार, सहायक कमांडेंट एवं मेडिकल अधिकारी अरुण चौधरी, सहायक कमांडेंट अजय कुमार, संजय के.पी., दीपक चंद, बढ़नी नगर पंचायत अध्यक्ष सुनील अग्रहरी, समाजसेवी अनिल अग्रहरि सहित अन्य अधिकारियों ने पशुपालकों को टीकाकरण, संतुलित आहार, स्वच्छता, रोगों की रोकथाम तथा आधुनिक पशुपालन की जानकारी दी। साथ ही पशुओं का स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक उपचार और परामर्श भी उपलब्ध कराया गया। कार्यक्रम में सूर्य प्रकाश पाण्डेय, नीलू चौधरी, बरकत, लक्की, रमेश गुप्ता, राम पाल सिंह, संजय दुबे सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं पशुपालक उपस्थित रहे। अंत में ग्रामीणों ने एसएसबी की इस जनहितकारी पहल की सराहना करते हुए भविष्य में भी ऐसे शिविर नियमित रूप से आयोजित किए जाने की अपेक्षा व्यक्त की।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह की तैयारियों का डीएम ने लिया जायजा, अधिकारियों को दिए जरूरी निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जुलाई को आयोजित होने वाले मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लेने के लिए जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह के साथ बीएसए ग्राउंड का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्यक्रम को व्यवस्थित एवं सफल बनाने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। लाधिकारी ने जिला समाज कल्याण अधिकारी को निर्देशित किया कि कार्यक्रम से जुड़ी सभी तैयारियां समय से पूरी कर ली जाएं। उन्होंने कहा कि विकास खंडवार लाभार्थियों के बैठने की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए तथा प्रत्येक विकास खंड के लिए अलग–अलग बैनर लगाए जाएं। साथ ही जिस स्थान पर लाभार्थियों को विवाह सामग्री वितरित की जाएगी, वहां भी स्पष्ट सूचना वाले बैनर लगाए जाएं। सामग्री वितरण स्थल पर दिए जाने वाले सभी सामानों की सूची भी प्रदर्शित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि कार्यक्रम में किसी भी प्रकार की अव्यवस्था या कमी नहीं होनी चाहिए। शेष सभी तैयारियां निर्धारित समय के भीतर पूरी कर ली जाएं, ताकि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम का आयोजन सुचारु रूप से संपन्न हो सके। निरीक्षण के दौरान उपजिलाधिकारी नौगढ़ राहुल सिंह, जिला विकास अधिकारी राजमणि वर्मा, जिला विद्यालय निरीक्षक अरुण कुमार, जिला समाज कल्याण अधिकारी महिपाल सिंह, नगर पालिका सिद्धार्थनगर के अधिशासी अधिकारी अजय कुमार सिंह सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

वृक्षारोपण महायज्ञ-2026 को सफल बनाने के लिए वीडियो कॉन्फ्रेंस, विभिन्न संस्थाओं से मांगा सहयोग

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। वृक्षारोपण महायज्ञ–2026 में व्यापक जनसहभागिता सुनिश्चित करने इस बैठक में विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने गूगल वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रतिभाग

किया। बैठक में एसडीओ (वन) वीना तिवारी की उपस्थिति में बैंकिंग संस्थाओं, एनसीसी कैडेट्स, नेहरू युवा केंद्र, स्वयंसेवी संस्थाओं, आयुर्वेदिक संस्थानों, व्यापार मंडल तथा सेवा निवृत्त अधिकारी–कर्मचारियों के प्रतिनिधियों ने वृक्षारोपण महायज्ञ को सफल बनाने के लिए अपने सुझाव साझा किए। साथ ही जनसहभागिता बढ़ाने और अधिक से अधिक पौधरोपण सुनिश्चित करने की रणनीति पर चर्चा की गई। इस अवसर पर केनरा बैंक के शाखा प्रबंधक सुनील रावत, क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी चिकित्सालय के चिकित्सा अधिकारी डॉ. राजेश अग्रहरी, चीफ फार्मासिस्ट अरुण कुमार तिवारी, सेवा निवृत्त संघ के जिलाध्यक्ष अवधेश यादव, वृद्धाश्रम प्रबंधक सिद्धार्थ गौतम, संस्कार भारती के कार्यवाहक अध्यक्ष धीरज गुप्ता, व्यापार संगठन के जिला प्रभारी एवं किसान संगठन के निदेशक राणा प्रताप सिंह, नेहरू युवा केंद्र के निशांत पांडे, व्यापार संगठन के महामंत्री नीरज श्रीवास्तव, अध्यक्ष शिवदत्त अग्रहरी, एनसीसी कैडेट मोहम्मद रेहान तथा सहायक सिद्धार्थ शंकर सहित विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

निलंबन के बाद आरजू मेडिकल स्टोर पर किसका संरक्षण?

लाइसेंस निलंबन के बाद भी खुली रही मेडिकल स्टोर, खबर प्रकाशित होने के बाद गुरुवार को बंद मिली दुकान

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़ / सिद्धार्थनगर। शोहरतगढ़ कस्बे में स्थित आरजू मेडिकल स्टोर का औषधि लाइसेंस विभाग द्वारा निलंबित किए जाने के बावजूद प्रतिष्ठान के कथित

रूप से संचालित होने का मामला अब चर्चा का विषय बन गया है। विभागीय आदेशों के बाद भी मेडिकल स्टोर के खुले रहने की खबर सामने आने से खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की कार्य प्रणाली पर सवाल उठने लगे। मामला मीडिया में प्रमुखता से प्रकाशित होने के बाद गुरुवार को मेडिकल स्टोर बंद मिला। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, बस्ती मंडल ने आदेश संख्या ओऔअनुप्रा / लानि0 / 2026 – 27 / 156 , दिनांक 09 जून 2026 के माध्यम से आरजू मेडिकल स्टोर का औषधि लाइसेंस संख्या RLF20UP2024000426, RLF21UP2024000422 औषधि एवं प्रसाधन सामग्री नियमावली, 1945 के नियम–66 के अंतर्गत 15 दिन अथवा कमियों के निराकरण तक निलंबित कर दिया था। आदेश में स्पष्ट रूप से कहा गया था कि निलंबन अवधि में दवाओं का क्रय–विक्रय पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा तथा उल्लंघन की स्थिति में लाइसेंस निरस्त करने की कार्रवाई की जाएगी। इसके बाद औषधि निरीक्षक मनोज कुमार सिंह ने पत्रांक–126 / IGRS / 2026, दिनांक 07 जुलाई 2026 के माध्यम से जिलाधिकारी को भेजी रिपोर्ट में उल्लेख किया कि आईजीआरएस शिकायत संख्या 60000260150750 एवं 60000260162647 के निस्तारण के क्रम में मेडिकल स्टोर संचालक को निलंबन आदेश की प्रति उपलब्ध कराकर प्रतिष्ठान को बंद रखने एवं दवाओं का क्रय–विक्रय रोकने के निर्देश दिए जा चुके हैं। इसके बावजूद स्थानीय लोगों का आरोप रहा कि मेडिकल स्टोर लगातार खुला रहा और दवाओं की बिक्री होती रही। निरीक्षण में मिली थीं अनियमितताएं– विभागीय अभिलेखों के अनुसार 1 मई 2026 को औषधि निरीक्षक द्वारा किए गए निरीक्षण में मेडिकल स्टोर पर कई अनियमितताएं पाई गई थीं। इसके बाद कारण बताओ नोटिस जारी किया गया, लेकिन संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर लाइसेंस निलंबित कर दिया गया। एक्सपायरी दवा बेचने की शिकायत से शुरू हुआ विवाद– मामले की शुरुआत 29 अप्रैल 2026 को हुई थी। गड़ाकुल निवासी इंद्रजीत यादव ने शिकायत की कि उनकी सात माह की बच्ची के उपचार के लिए आरजू मेडिकल स्टोर से खरीदी गई VitoniÛ Drop पहले ही जनवरी 2026 में एक्सपायर हो चुकी थी। शिकायत में आरोप लगाया गया कि एक्सपायरी दवा पिलाने के बाद बच्ची को उल्टियां होने लगीं। विरोध करने पर मेडिकल स्टोर संचालक द्वारा अभद्र व्यवहार और धमकी देने का भी आरोप लगाया गया। इसके बाद 8 जून 2026 को एक और मामला सामने आया। कंदवा निवासी कृष्णा प्रसाद पटवा ने आरोप लगाया कि उन्हें Pantosec D SR दवा बेची गई, जिसकी समाप्ति तिथि मई 2026 थी। चिकित्सक द्वारा दवा की वैधता समाप्त होने की बात बताने पर वह दवा वापस करने पहुंचे तो पहले दुकान संचालक ने दवा बेचने से ही इंकार कर दिया। बाद में दूसरी दवा देकर मामला शांत कराया गया। इस घटना का वीडियो भी बनाया गया, जिसे शिकायतकर्ता ने जांच में इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य के रूप में उपलब्ध कराया। लगातार हुई शिकायतें, फिर भी उठते रहे सवाल– दोनों मामलों के संबंध में औषधि विभाग, जिलाधिकारी तथा आईजीआरएस पोर्टल पर शिकायतें दर्ज कराई गईं। जांच के बाद विभाग ने लाइसेंस निलंबित कर दिया, लेकिन स्थानीय लोगों का आरोप रहा कि आदेश के बावजूद मेडिकल स्टोर संचालित होता रहा। इससे यह सवाल उठने लगे कि आखिर निलंबित मेडिकल स्टोर किसके संरक्षण में चल रहा था और विभागीय आदेशों का पालन क्यों नहीं कराया गया। खबर प्रकाशित होने के बाद बंद मिली दुकान– लाइसेंस निलंबन के बावजूद मेडिकल स्टोर के संचालन की खबर प्रमुखता से प्रकाशित होने और मामले के तूल पकड़ने के बाद गुरुवार को आरजू मेडिकल स्टोर बंद मिला। हालांकि यह स्पष्ट नहीं हो सका कि दुकान विभागीय कार्रवाई के कारण बंद की गई या स्वयं संचालक ने उसे बंद रखा। स्थानीय लोगों ने जिलाधिकारी से पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कर निलंबन आदेश की अवहेलना की जिम्मेदारी तय करने, दोषियों के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्रवाई करने तथा यदि आदेशों का उल्लंघन हुआ है तो लाइसेंस निरस्तीकरण सहित अन्य कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की है।

शोहरतगढ़ पुलिस ने साइबर सुरक्षा व हेल्पलाइन नंबरों की दी जानकारी

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़ / सिद्धार्थनगर। महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से गुरुवार को थाना शोहरतगढ़ पुलिस द्वारा शिवपति इंटर कॉलेज में मिशन शक्ति फेज–5.0 के तहत जन चौपाल एवं बहू–बेटी सम्मेलन

का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छात्राओं एवं महिलाओं को साइबर अपराध, महिला सुरक्षा, नए कानूनों तथा विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की विस्तृत जानकारी दी गई। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ अभिषेक महाजन के निर्देश तथा अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद एवं क्षेत्राधिकारी शोहरतगढ़ मयंक द्विवेदी के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक नवीन कुमार सिंह के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में महिलाओं एवं बालिकाओं को दहेज उत्पीड़न, पॉक्सो एक्ट, महिला संबंधी अपराधों से बचाव तथा किसी भी घटना की तत्काल शिकायत दर्ज कराने के तरीकों के बारे में जागरूक किया गया। साथ ही महिला संबंधी मामलों में पीड़िताओं की काउंसलिंग भी की गई। कार्यक्रम के दौरान उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रत्येक थाने में स्थापित मिशन शक्ति केंद्र की जानकारी देते हुए बताया गया कि महिलाएं अपनी समस्याएं वहां दर्ज करा सकती हैं। इस अवसर पर मिशन शक्ति 5.0 के स्टिकर भी चस्पा किए गए। पुलिस टीम ने महिलाओं एवं छात्राओं को महिला हेल्पलाइन 1090, महिला हेल्पलाइन 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, पुलिस आपातकालीन सेवा 112, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, एंबुलेंस सेवा 108, अग्निशमन सेवा 101, एल्डर हेल्पलाइन 14567 तथा साइबर हेल्पलाइन 1930 के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इसके अलावा यातायात नियमों का पालन करने के लिए भी प्रेरित किया गया। इस दौरान उपनिरीक्षक राजकुमार यादव, मुख्य आरक्षी अविनाश सिंह, महिला आरक्षी शोभा भारती एवं उर्मिला सहित अन्य पुलिसकर्मी उपस्थित रहे।

राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष ने जिला अस्पताल का किया औचक निरीक्षण, स्वास्थ्य सेवाओं का लिया जायजा

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष (राज्यमंत्री दर्जा प्राप्त) चारू चौधरी ने जनपद भ्रमण के दौरान रघुवर प्रसाद जायसवाल विद्यालय में आयोजित शिक्षक सम्मान कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में हिस्सा लिया। इसके बाद उन्होंने माधव प्रसाद त्रिपाठी मेडिकल कॉलेज स्थित संयुक्त जिला चिकित्सालय का औचक निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान चारू चौधरी ने इमरजेंसी वार्ड, एमसीएच विंग, लेबर रूम, अस्थायी रूप से संचालित पीआईसीयू तथा एनआरसी वार्ड का निरीक्षण किया। उन्होंने मरीजों से बातचीत कर दवाओं की उपलब्धता, उपचार व्यवस्था और अस्पताल में मिल रही सुविधाओं की जानकारी ली। इमरजेंसी वार्ड में भर्ती मरीजों से उन्होंने पूछा कि उन्हें आवश्यक दवाएं समय पर मिल रही हैं या नहीं। उन्होंने कहा कि मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना प्रदेश सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है और इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। निरीक्षण के दौरान मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, जिला प्रोबेशन अधिकारी विनय कुमार सिंह, जिला कार्यक्रम अधिकारी साहब यादव, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी शैलेश कुमार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

बारिश में बदहाल हुईं सड़कें, जलभराव से लोग परेशा

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। डुमरियागंज क्षेत्र में बहेरिया ग्राम में बारिश ने नगर व ग्रामीण क्षेत्रों की सड़कों और नालियों की बदहाल व्यवस्था की पोल खोल दी है। कहीं टूटी सड़कें कीचड़ में तब्दील हो गई हैं तो कहीं अधूरे निर्माण और जाम नालियों के कारण जलभराव की स्थिति बन गई है। शहर के वीर सावरकर डुमरियागंज से भड़रिया मार्ग पर लोग आज कल कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं। राहगीरों, छात्रों और स्थानीय लोगों को गंदे पानी व गड्ढों से होकर गुजरना पड़ रहा है। कई स्थानों पर दुर्घटना का खतरा भी बढ़ गया है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से जल्द मरम्मत, सफाई और निर्माण कार्य पूरा कराने की मांग की है। टूटी सड़क और जाम नालियों से त्रस्त नगर वीर सावरकर नगर के लोग पालिका परिषद के वीर में मूलभूत सुविधाओं का अभाव लोगों के लिए बड़ी समस्या बन गया है। परसपुर से डुमरियागंज को जोड़ने वाली सड़क बारिश की वजह से टूटी पड़ी है और अब कच्चे रास्ते का रूप ले चुकी है। सड़क पर गड्ढे ही गड्ढे हैं, जिससे आवागमन मुश्किल हो गया है।स्थिति तब और खराब हो जाती है ग्राम परसपुर जब नालियों की नियमित सफाई न होने से वे कूड़ा–कचरे से पट जाती हैं। परिणामस्वरूप घरों का गंदा पानी सड़क पर बहने लगता है, जिससे बदबू और गंदगी फैल रही है। हल्की बारिश में यह मार्ग पूरी तरह कीचड़युक्त हो जाता है। स्थानीय निवासी राम बिहारी गुप्ता, हिरेंद्र पांडेय, लवकुश पांडेय, श्याम सुंदर कश्यप, कैलाश शुक्ला, शिवम शुक्ला, प्रवेश गुप्ता अरबाज , नौशाद, कलीम, रितेश आदि परसपुर लोग और नालियों की नियमित सफाई कराने की मांग की है।फिसलन के कारण दुर्घटना का खतरा बना रहता है। ग्रामीणों का आरोप है कि दो वर्ष पहले बनी सड़क में गुणवत्ता की अनदेखी की गई, जिससे वह जल्दी खराब हो गई। पीडब्ल्यूडी के अवर अभियंता अवनीश चौधरी ने बताया कि जल्द निरीक्षण

खेसरहा में लाखों की लागत से बना अन्नपूर्णा भवन अधूरा: बिना शटर–दरवाजे के राशन भंडारण संभव नहीं, निर्माण पूरा करने की मांग

दैनिक बुद्ध का संदेश

खेसरहा। खेसरहा विकासखंड की ग्राम पंचायत बसडीला में लाखों की लागत से बना अन्नपूर्णा भवन अधूरा पड़ा है। खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत सरकारी राशन के सुरक्षित भंडारण के लिए निर्मित यह भवन शटर, चौनल और दरवाजों के अभाव में उपयोग में नहीं आ पा रहा है। भवन का अधिकांश निर्माण कार्य पूरा हो चुका है, लेकिन सुरक्षा व्यवस्था की कमी के कारण इसमें राशन का भंडारण संभव नहीं है। ग्रामीणों के अनुसार, खुले भवन में सामान रखने से चोरी और नुकसान का खतरा बना रहता है, जिससे योजना का उद्देश्य पूरा नहीं हो पा रहा है। ग्रामीणों ने इस स्थिति पर चिंता व्यक्त की है। पंकज ने कहा कि अधूरे निर्माण से इसका लाभ गांव तक नहीं पहुंच रहा है। मुकेश का मानना है कि शटर और दरवाजे न लगने तक भवन केवल शोपीस बनकर रहेगा। रविंद्र और मीना ने भी जल्द निर्माण पूरा कर भवन को उपयोग में लाने की मांग की। ग्राम प्रधान सुशील के प्रतिनिधि श्री चंद्र चतुर्वेदी ने बताया कि भवन में शटर, चौनल और दरवाजे लगाने का कार्य अभी बाकी है। उन्होंने संबंधित विभाग को इसकी सूचना दे दी है और बजट तथा स्वीकृति मिलते ही शेष निर्माण कार्य पूरा करा दिया जाएगा। ग्रामीणों ने प्रशासन से शीघ्र निर्माण कार्य पूरा कर अन्नपूर्णा भवन को संचालित करने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि जल्द ही कार्य पूरा नहीं हुआ, तो यह भवन भी अन्य अधूरी सरकारी परियोजनाओं की तरह वर्षों तक उपयोग का इंतजार करता रहेगा।

सम्पादकीय

जबकि कई मास्टरमाइंड अमेरिका में रह रहे थे ? क्या ऐसी कार्रवाई पाक सरकार समर्थित लश्कर–ए–तैयबा के आतंकवादियों के खिलाफ हुई, जब पहलगाम की बैसरन घाटी में बेकसूर 26 भारतीय पर्यटकों की हत्या उनका धर्म पूछकर की गई थी ? निस्संदेह, हत्या–फिरौती और नशे की तस्करी में लिप्त किसी भी गैंग को बख्शा नहीं जाना चाहिए। ये देश की संप्रभु सरकार का भी ...

अमेरिका के ऑपरेशन हॉर्ड बॉल के निहितार्थ

अमेरिका ने गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई व गोल्डी बराड़ के खिलाफ कई देशों में कार्रवाई करते हुए दो दर्जन लोगों को गिरफ्तार करने और नशीले पदार्थ व हथियार बरामद करने का दावा किया है। इतना ही नहीं कई अपराधों में वांछित गैंगस्टर गोल्डी बराड़ पर भी एफबीआई ने पचास हजार डॉलर का इनाम घोषित किया है। अमेरिकी अभियोजन पक्ष का दावा है कि इन गैंगों के गुर्गों के खिलाफ कार्रवाई में एफबीआई, लॉस एंजिल्स पुलिस, रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस तथा अमेरिकी कस्टम्स एंड बॉर्डर अधिकारियों ने हिस्सा लिया। अमेरिका की यह ताबड़–तोड़ कार्रवाई कनाडा सरकार की उस घोषणा के तुरंत बाद आई है, जिसमें कहा गया था कि कनाडा के निज्जर हत्याकांड में भारत की कोई भूमिका नहीं थी।

उल्लेखनीय है कि बहुचर्चित निज्जर हत्याकांड को लेकर पिछली जस्टिन ट्रूडो सरकार ने भारत सरकार के एक अधिकारी पर संलिप्तता के आरोप लगाए थे। जिसके चलते भारत व कनाडा के रिश्ते सबसे निचले स्तर तक जा पहुंचे थे। लेकिन नई सरकार ने ट्रूडो की थ्योरी को नकार दिया था। जिसके बाद ही अमेरिका की यह तल्ख प्रतिक्रिया सामने आई है। कनाडा पुलिस के सूत्रों के अनुसार अमेरिका लारेंस बिश्नोई के प्रत्यारोपण की मांग करेगा। फिलहाल बिश्नोई गुजरात की एक जेल में 2015 से बंद है। बहरहाल, अमेरिकी एजेंसियों द्वारा चलाए गए 'हॉर्ड बॉल ऑपरेशन' में जिन 24 लोगों की गिरफ्तारियां हुई हैं, उन पर भारत से जुड़े संगठित अपराधी गुटों से संबंध होने का आरोप लगाया है। लॉरेंस और गोल्डी बराड को कई मामलों में आरोपी बनाया गया है, जिसमें साल 2023 में खालिस्तान समर्थक हरदीप सिंह निज्जर की हत्या की साजिश में शामिल होना भी है। बाकायदा अमेरिका ने बिश्नोई को निज्जर हत्याकांड में आरोपी बनाया है। उधर लॉस एंजिल्स के संघीय अभियोजकों का दावा है कि ये गिरफ्तारियां कई साल तक चली जांच का नतीजा हैं, जो भारतीय अपराधी गिरोहों पर केंद्रित रही हैं। अमेरिकी अधिकारियों द्वारा सार्वजनिक किए गए दस्तावेजों में 37 अभियुक्तों पर आरोप लगाए गये हैं। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि अमेरिका की नीतियां अमेरिका से शुरू होकर अमेरिका पर ही खत्म हो जाती हैं। ऐसे में भारतीय गैंगस्टरों पर की जा रही ताबड़–तोड़ कार्रवाई को लेकर भी सवाल उठाये जा रहे हैं। निस्संदेह, गैंगवार पर अंकुश लगना चाहिए, लेकिन सवाल इस कार्रवाई की टाइमिंग को लेकर है। इससे ठीक पहले कनाडा सरकार ने निज्जर हत्याकांड में भारत की किसी भूमिका को खारिज किया था। अमेरिका का आकलन है कि राष्ट्रवाद के नाम पर कुछ गैंगस्टरो को राजाश्रय हासिल है। आरोपपत्र में यह भी दावा किया गया है कि बिश्नोई ने खुद की छवि एक 'देशभक्त', 'राष्ट्रवादी' और 'धार्मिक' व्यक्ति के रूप में बनाई है। कयास हैं कि इसके जरिये भारत सरकार को घेरने की कोशिश जा रही है। कुछ विदेश नीति के जानकार मानते हैं कि भारत के ब्रिक्स व रूस–चीन वाले ध्रुव की ओर झुकाव के चलते दबाव बनाने हेतु इस मुद्दे को हथियार की तरह इस्तेमाल किया जाएगा। अमेरिका–भारत व्यापार समझौते पर सहमति न बन पाने से अमेरिका क्षुब्ध है। जिसके लिये दबाव बनाने की कोशिश की जा रही है। सर्वविदित है कि दुनिया भर में सत्ताएं बनाने व सरकार गिराने के खेल में अमेरिका किस हद तक जाता है। उसे पूरी दुनिया में सत्ता की शतरंज खेलने में 'डीप स्टेट' के इस्तेमाल का जनक माना जाता है। सवाल है कि भारतीय संसद व मुंबई पर हुए भीषण आतंकवादी हमलों में शामिल पाक आतंकवादियों व मास्टर माइंडों पर क्या ऐसे कार्रवाई हुई है? जबकि कई मास्टरमाइंड अमेरिका में रह रहे थे? क्या ऐसी कार्रवाई पाक सरकार समर्थित लश्कर–ए–तैयबा के आतंकवादियों के खिलाफ हुई, जब पहलगाम की बैसरन घाटी में बेकसूर 26 भारतीय पर्यटकों की हत्या उनका धर्म पूछकर की गई थी? निस्संदेह, हत्या–फिरौती और नशे की तस्करी में लिप्त किसी भी गैंग को बख्शा नहीं जाना चाहिए। ये देश की संप्रभु सरकार का भी प्राथमिक कर्तव्य है। फिलहाल लॉरेंस बिश्नोई 2015 से भारतीय जेल में है और उसके खिलाफ देश में कई केस चल रहे हैं। वहीं गोल्डी बराड़ देश से फरार है।

ताला–चाबी सब बेकार, जब चौकीदार हो गुनहगार

प्रभु चरणों में जो चढ़ावा अर्पित होता है, वह केवल मुद्रा नहीं है। वह किसी मां की मनौती होती है, किसी किसान की पहली कमाई होती है, किसी वृद्ध की जीवनभर की बचत होती है, किसी बच्चे की गुल्लक होती है। इस बार हाथी घोड़े नहीं आये, न ही तलवारें चमकीं। न मंदिर टूटे। न ही देवमूर्तियां लूटी गईं। सोना–चांदी और अशर्फियों को ऊंटों व घोड़ों पर लादकर सीमाओं के पार भी नहीं ले जाया गया। पर नोटों की गड्डियां गिनते–गिनते ही लुप्त हो गईं। सोना–चांदी ऊपर ही ऊपर हुर्रफुर्र हो गया। अब चोरी भी आत्मनिर्भर हो गई है, बाहर वालों को तकलीफ देने की जरूरत ही नहीं रही। इतिहास की किताबों में हम सदियों से उन आक्रान्ताओं को कोसते आ रहे हैं कि विदेशी लुटेरे आये और हमारे मंदिरों से धन–सम्पदा लूट ले गये। जब मंदिर की चौखट पर खड़ा व्यक्ति ही मंदिर की पवित्रता को कलंकित कर दे तो विदेशी लुटेरों को गालियां देने से क्या फायदा? प्रभु चरणों में जो चढ़ावा अर्पित होता है, वह केवल मुद्रा नहीं है। वह किसी मां की मनौती होती है, किसी किसान की पहली कमाई होती है, किसी वृद्ध की जीवनभर की बचत होती है, किसी बच्चे की गुल्लक होती है। कहावत तो है कि राम नाम की लूट है लूट सके तो लूट। बस इन्हें 'लूटना' शब्द याद रह गया और लूट लिया। मंदिर में आने वाला भक्त जूते बाहर छोड़ता है और विश्वास भीतर रखकर जाता है। लेकिन जब भीतर ही विश्वास की जेब कट जाए तो फिर भगवान भी क्या करें? सबसे बड़ा नुकसान चोरी हुए सामान का नहीं बल्कि उस विश्वास का होता है जो लाखों लोग अपने साथ लेकर मंदिर की चौखट तक आते हैं। सोना–चांदी फिर आ जाएगा, लेकिन भरोसे की मरम्मत किसी सुनार के बस की बात नहीं।

कहते हैं कि 'घर का भेदी लंका ढाए' लेकिन अब तो हालत यह हो गई है कि घर का भेदी सीधे मंदिर का दानपात्र ही साफ कर देता है। पहले चोर रात के अंधेरे में आते थे, अब वे ड्यूटी पर आते हैं। पहले ताले तोड़े जाते थे, अब भरोसा तोड़ा जाता है।

हमारे देश में समितियां बनाना सबसे आसान काम है। घटना हुई नहीं कि जांच समिति बैठ गई। समिति रिपोर्ट देगी, रिपोर्ट पर समिति बनेगी, फिर उस समिति की रिपोर्ट की समीक्षा के लिए एक और समिति। आखिर में निष्कर्ष निकलेगा कि व्यवस्था को और मजबूत करने की आवश्यकता है। यह वाक्य सरकारी फाइलों का वही अमर प्रसाद है जो हर जगह चढ़ जाता है।

प्रगति के साथ सुरक्षा और पारदर्शिता भी जरूरी

लेकिन हर शक्तिशाली तकनीक की तरह इसके साथ भी जोखिम जुड़े हुए हैं। एंथ्रोपिक की चेतावनी को तकनीक–विरोधी दृष्टिकोण के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए, बल्कि इसे एक जिम्मेदार आत्ममंथन के रूप में समझना चाहिए। प्रश्न यह है कि क्या हम इसे सुरक्षित, पारदर्शी, नैतिक और मानवीय मूल्यों के अनुरूप विकसित कर पाएंगे। यदि हम समय रहते उचित सुरक्षा उपाय नहीं अपनाते, तो संभव है कि ...

अग्रणी एआई कंपनी एंथ्रोपिक ने चेताया है कि एआई का विकास इतनी तेजी से हो रहा है कि ऐसी प्रणालियां विकसित हो सकती हैं, जो स्वयं को बिना मानवीय हस्तक्षेप के बेहतर बनाने में सक्षम हों। एआई विकास की गति को धीमा करने की जरूरत है। किसी भी नई तकनीक के इतिहास पर नजर डालें तो एक दिलचस्प तथ्य सामने आता हैकृअक्सर उस तकनीक को विकसित करने वाले वैज्ञानिक और संस्थान ही सबसे पहले उसके संभावित खतरों के प्रति चेतावनी देते हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म विकसित करने वाले कई तकनीकी विशेषज्ञ आज डिजिटल लत, फेक न्यूज और मानसिक स्वास्थ्य पर उसके दुष्प्रभावों को लेकर चिंता व्यक्त कर रहे हैं। अब यही स्थिति कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में भी दिखाई दे रही है। दुनिया की अग्रणी एआई कंपनी एंथ्रोपिक ने चेतावनी दी है कि एआई का विकास इतनी तेजी से हो रहा है कि आने वाले दो वर्षों के भीतर ऐसी प्रणालियां विकसित हो सकती हैं, जो स्वयं को बिना मानवीय हस्तक्षेप के बेहतर बनाने में सक्षम हों। कंपनी ने इस संभावना को 'रिकर्सिव सेल्फ–इम्प्रूवमेंट' नाम दिया है और वैश्विक स्तर पर एआई विकास की गति को धीमा करने की आवश्यकता पर बल दिया है। यह चेतावनी केवल तकनीकी विशेषज्ञों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पूरी मानवता के भविष्य से जुड़ा प्रश्न बन चुकी है। आज के एआई मॉडल अत्यंत शक्तिशाली हैं, लेकिन वे अभी भी मनुष्यों द्वारा विकसित, प्रशिक्षित और नियंत्रित किए जाते हैं। इंजीनियर मॉडल तैयार करते हैं, डेटा उपलब्ध कराते हैं और उसकी कार्यप्रणाली का मूल्यांकन करते हैं। यदि भविष्य में कोई एआई प्रणाली स्वयं अपने कोड को समझने, उसमें सुधार करने और स्वयं को पहले से अधिक सक्षम बनाने लगे, इसके बाद नया और अधिक उन्नत संस्करण फिर स्वयं को और बेहतर बनाए। यदि यह प्रक्रिया लगातार चलती रही, तो एआई की क्षमता बेहद कम समय में कई गुना बढ़ सकती है। इसे ही रिकर्सिव सेल्फ–इम्प्रूवमेंट कहा जाता है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि ऐसा हुआ, तो एआई विकास की गति मानव नियंत्रण और समझ से कहीं आगे निकल सकती है। यह स्थिति तथाकथित 'इंटेलिजेंस एक्सप्लोजन' या 'बुद्धिमत्ता विस्फोट' का रूप ले सकती है। एआई विशेषज्ञों की वास्तविक चिंता इससे कहीं अधिक जटिल है।

आज के उन्नत एआई मॉडल पहले ही ऐसे व्यवहार प्रदर्शित कर रहे हैं, जिन्हें वैज्ञानिकों ने सीधे तौर पर प्रोग्राम नहीं किया था। कई बार एआई ऐसे समाधान खोज लेता है, जिनकी कल्पना उसके निर्माताओं ने भी नहीं की होती। हम अभी भी पूरी तरह नहीं समझते कि बड़े एआई मॉडल किसी विशेष निष्कर्ष तक कैसे पहुंचते हैं। जब वर्तमान प्रणालियों को समझना ही कठिन है, तब भविष्य के स्वयं को अपग्रेड करने वाले एआई को नियंत्रित करना और भी चुनौतीपूर्ण हो सकता है। दूसरे शब्दों में, मानवता ऐसी मशीनें बना सकती है, जो अत्यंत शक्तिशाली हों, लेकिन जिनकी आंतरिक कार्यप्रणाली हमारे लिए एक 'ब्लैक बॉक्स' बनी रहे। एआई पहले ही वैश्विक श्रम बाजार को बदल रही है। लेखन, अनुवाद, ग्राहक सेवा, प्रोग्रामिंग, डेटा विश्लेषण और प्रशासनिक कार्यों जैसे अनेक क्षेत्रों में एआई का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है। यदि भविष्य में एआई स्वयं को लगातार बेहतर बनाती रही, तो यह परिवर्तन और तेज हो सकता है। इससे केवल नियमित नौकरियां ही नहीं, बल्कि डॉक्टर, वकील, पत्रकार, शिक्षक, इंजीनियर और शोधकर्ता जैसे पेशे भी प्रभावित हो सकते हैं। देखा जाए तो तकनीकी क्रांतियां नई नौकरियां भी पैदा करती हैं। लेकिन चिंता इस बात की है कि एआई आधारित बदलाव की गति इतनी तेज हो सकती है कि समाज और श्रम बाजार को अनुकूलन का पर्याप्त समय न मिल पाए। इसके परिणामस्वरूप बेरोजगारी, आय असमानता और सामाजिक अस्थिरता बढ़ सकती है। सरकारों को अभी से बड़े पैमाने पर पुनः कौशल, अप–स्किलिंग और आजीवन सीखने की रणनीतियां विकसित करनी होंगी। एआई विकास को धीमा करने की सबसे बड़ी बाधा देशों और कंपनियों के बीच चल रही तीव्र प्रतिस्पर्धा है। आज एआई केवल एक तकनीक नहीं, बल्कि आर्थिक, सामरिक और भू–राजनीतिक शक्ति का प्रतीक बन चुकी है। बड़ी टेक कंपनियां बाजार में आगे निकलने के लिए अरबों डॉलर का निवेश कर रही हैं। ऐसी स्थिति में यदि कोई देश या कंपनी स्वेच्छा से एआई विकास को धीमा करती है, तो उसे डर रहता है कि उसके प्रतिस्पर्धी उससे आगे निकल जाएंगे। ऐसी स्थिति में वैश्विक स्तर पर किसी सामूहिक समझौते तक पहुंचना अत्यंत कठिन दिखाई देता है। एआई के लिए वैश्विक स्तर पर समन्वित नीतियां विकसित करना समय की मांग है। इन नियमों में सुरक्षा मानक, पारदर्शिता, जवाबदेही, डेटा गोपनीयता, नैतिकता और मानव अधिकारों की रक्षा जैसे मुद्दे शामिल होने चाहिए। भारत जैसे देशों को भी केवल एआई उपभोक्ता बनने के बजाय वैश्विक एआई शासन की प्रक्रिया में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। कृत्रिम बुद्धिमत्ता मानव इतिहास की सबसे परिवर्तनकारी तकनीकों में से एक है। यह स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, विज्ञान और अर्थव्यवस्था में क्रांतिकारी बदलाव ला सकती है।

लिपुलेख पर भारत की कूटनीतिक कामयाबी

चितवन के भरतपुर में आयोजित सत्तारूढ़ राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के पहले आम सम्मेलन में, उपाध्यक्ष और वित्त मंत्री स्वर्णिम वागले ने एक आर्थिक नीति दस्तावेज पेश किया। इसमें नेपाल की संघीय प्रणाली के बड़े पैमाने पर पुनर्गठन का प्रस्ताव था, जिसमें प्रांतीय विधानसभाओं को खत्म करना भी शामिल था। इस प्रस्ताव ने तुरंत व्यापक राजनीतिक बहस छेड़ दी। बहस तब और जटिल हो गई जब...

लिपुलेख, रणनीतिक रूप से एक महत्वपूर्ण ट्राई–जंक्शन है जहां भारत, नेपाल, और चीन की सीमाएं मिलती हैं। यह क्षेत्र सदियों से कैलास मानसरोवर यात्रा का एक प्रमुख मार्ग रहा है। 2020 में भारत द्वारा धारचुला (उत्तराखंड) से लिपुलेख तक एक सामरिक सड़क का उद्घाटन करने पर विवाद काफी बढ़ गया। झांग माओमिंग काठमांडू स्थित चीन के राजदूत हैं। 24 जून को काठमांडू पोस्ट में उनका एक लेख 'मोर प्रैक्टिकल कॉपरेशन' शीर्षक से छपा, जिसमें नेपाल के विदेशमंत्री शिशिर खनाल की 14 से 17 जून की पेइचिंग यात्रा के हवाले से यह बताने की चेष्टा की गई, कि नेपाल को अब 'व्यावहारिक कूटनीति' पर ध्यान देना चाहिए। अब ये व्यावहारिक कूटनीति क्या बला है? नेपाल बफर स्टेट होने के नाते चाइना कार्ड आये दिन खेलता था, नई दिल्ली तक से सौदेबाजी हो जाती थी। अब चीन ने नेपाली नेतृत्व को ये समझा दिया, कि आप बदलिए और व्यावहारिक होइये। लिपुलेख मुद्दे पर चीन और भारत ने नेपाल को जिस तरह चुप करा दिया है, उस पर नेपाल की कम्युनिस्ट पार्टियां, राजावादी और नेपाली कांग्रेस के नेता तक हैरान हैं। चीनी राजदूत झांग माओमिंग बताते हैं, नेपाली विदेश मंत्री खनाल ने कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ चाइना सेंट्रल कमेटी के पॉलिटिकल ब्यूरो के सदस्यों और चीन के विदेश मंत्री वांग यी से बातचीत की। नेपाली पक्ष ने फिर से कहा कि ताइवान का सवाल और शिजांग से जुड़े मुद्दे चीन के अंदरूनी मामले हैं। नेपाल पूरी तरह से वन–चाइना सिद्धांत का पालन करता है, किसी भी ताकत को नेपाली इलाके का इस्तेमाल चीन के हितों को नुकसान पहुंचाने के लिए नहीं करने देगा। दोनों पक्ष इस बात पर सहमत हुए, कि हाई–क्वालिटी 'बेल्ट एंड रोड सहयोग' को आगे बढ़ाएंगे। वहां चार प्राथमिकता वाले क्षेत्रों की पहचान की गई। पहला, क्रॉस–बॉर्डर ट्रांसपोर्टेशन, बॉर्डर इंफ्रास्ट्रक्चर और हवाई संपर्कों के विकास में तेजी लाकर दोनों देशों के बीच कनेक्टिविटी को दुरुस्त करना, जिससे नागरिक के आपसी संपर्क और अधोसंरचना में सुधार हो। दूसरा,

बिजली, पावर ग्रिड और क्लीन एनर्जी में सहयोग बढ़ाकर सहयोग को गहरा करना, और तीसरा, उभयपक्षीय व्यापार संरचना को ऑप्टिमाइज करके निवेश को बढ़ाना। चीनी कंपनियों से दोस्ताना माहौल बनाना। चौथा, शिक्षा, युवा, लोकल गवर्नमेंट और मीडिया में सहयोग बढ़ाना है, ताकि दोनों देशों की जनता एक–दूसरे को समझे। यह गौर करने वाली बात है, कि नेपाली विदेशमंत्री शिशिर खनाल ने एक बार भी लिपुलेख–लिम्पियाधुरा मार्ग से भारत–चीन व्यापार का मुद्दा नहीं उठाया। नेपाली कांग्रेस के वरिष्ठ नेता देवेंद्र लाल नेपाली बोलते हैं, 'यह सरकार डीप स्टेट वाले चला रहे हैं, जिन्होंने राष्ट्रीय मुद्दों पर कंप्रोमाइज करना शुरू कर दिया है। यह नेपाल के भविष्य के लिए खतरनाक है।' उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले में स्थित लिपुलेख दर्रे से भारत–चीन सीमा व्यापार छह वर्ष बाद 26 जून 2026 से शुरू हो गया। उस दिन 26 भारतीय व्यापारियों का पहला दल तिब्बत क्षेत्र में प्रवेश किया। इस दल में 17 व्यापारी और 9 सहायक शामिल हैं। धारचूला के उप–जिलाधिकारी और व्यापार अधिकारी आशीष जोशी ने बताया कि व्यापार को सुगम बनाने के लिए गुंजी में सीमा शुल्क कार्यालय खोला गया है। व्यापारियों ने अपना सामान पहले ही लिपुलेख दर्रे के निकट स्थित गोदामों में पहुंचा दिया है। प्रशासन को 103 से अधिक व्यापारियों के आवेदन प्राप्त हुए थे, और जल्द ही 25 व्यापारियों के दूसरे दल को भी व्यापार पास जारी किए जाएंगे। सामान ढुलाई के लिए नाभीढांग के पास खच्चरों और घोड़ों की व्यवस्था की गई है। छह वर्ष बाद इस मार्ग से व्यापार बहाल होने से सीमावर्ती क्षेत्रों की अर्थव्यवस्था को नई गति मिलने की उम्मीद है। लिपुलेख से व्यापार मोदी कूटनीति की सफलता कही जाएगी। सत्तारूढ़, राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के अध्यक्ष रबी लामिछाने भी दिल्ली आने पर समझ चुके थे, कि लिपुलेख पर भारत से विवाद, उभयपक्षीय संबंधों को और बिगाड़ेगा, और इस मुद्दे पर चीन उनके साथ खड़ा नहीं है। लिपुलेख, रणनीतिक रूप से एक महत्वपूर्ण ट्राई–जंक्शन है जहां भारत, नेपाल, और चीन की सीमाएं मिलती हैं। यह क्षेत्र सदियों से कैलास मानसरोवर यात्रा का एक प्रमुख मार्ग रहा है। 2020 में भारत द्वारा धारचुला (उत्तराखंड) से लिपुलेख तक एक सामरिक सड़क का उद्घाटन करने पर विवाद काफी बढ़ गया। नेपाल ने आरोप लगाया, कि भारत ने उसकी सहमति के बिना उसके इलाके में सड़क का निर्माण किया। इस सड़क निर्माण के विरोध में जून 2020 में नेपाल सरकार ने एक नया 'चूचे नक्शा' जारी किया था, जिसमें लिपुलेख, कालापानी और लिंपियाधुरा को आधिकारिक तौर पर नेपाली भूभाग के रूप में शामिल किया गया। भारत इन दावों को ऐतिहासिक तथ्यों के विपरीत, अनुचित और एकतरफा मानता है। भारत का हमेशा से यही रुख रहा है कि लिपुलेख, कालापानी और लिम्पियाधुरा ऐतिहासिक, भौगोलिक और प्रशासनिक रूप से भारत का अभिन्न हिस्सा हैं। इस मार्ग से व्यापार पेइचिंग ने स्वीकार किया है, जिससे साबित होता है कि लिपुलेख–लिम्पियाधुरा भारत का ही पार्ट है। इसे भारतीय कूटनीति की बड़ी जीत माननी चाहिए। लेकिन, इस समय बालेन्द्र सरकार अंदरूनी अंतर्विरोधों से वाबस्ता है। राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) के प्रमुख नेताओं के बीच इस बात को लेकर नाराजगी है कि प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह पार्टी के ढांचे के अनुसार काम करने के बजाय अपने पुराने करीबी सलाहकारों की कोटरी बनाकर शासन चला रहे हैं। हाल ही में बालेन शाह के संसद में दिए गए उस बयान से भारी बवाल मच गया था, जिसमें उन्होंने दावा किया था कि नेपाल ने भी भारतीय क्षेत्रों पर अतिक्रमण किया है। 4 जुलाई को प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह की सरकार के कार्यकाल के पहले 100 दिन पूरे हुए।

कार्यालय : क्षेत्र पंचायत-भनवापुर जनपद- सिद्धार्थनगर

पत्रांक– 1562/2–लेखा/अल्पनिविदा/2026–27 दिनांक– 08/07/2026

अल्पकालीन निविदा सूचना

समस्त क्षेत्र पंचायत भनवापुर सिद्धार्थनगर के (''ए'' एंव ''बी'' जो भी लागू हो) श्रेणी के पंजीकृत ठेकेदार जो कि वर्ष 2026–2027 के लिए पंजीकृत/नवीनीकृत हैं, को सूचित किया जाता है कि राज्य वित्त आयोग,एंव पन्द्रहवा वित्त आयोग(टाईड एंव अनटाईड) योजना के अन्तर्गत वर्तमान में कुल उपलब्ध धनराशि एंव वित्तीय वर्ष 2026.2027 में कुल प्राप्त होने वाली धनराशि के सापेक्ष निम्नलिखित परियोजनो पर कार्य कराये जाने हेतु निविदा आमन्त्रित की जाती है। निविदा को सामान्य टेण्डर प्राणाली के माध्यम से दिनांक 08.07.2026 से दिनॉक : 17.07.2026 मध्याह्न 12.00 बजे तक कार्यालय से प्राप्त किये जा सकते हैं। जिसे दिनांक : 17.07.2026 को ही गठित समिति के द्वारा क्षेत्र पंचायत कार्यालय भनवापुर में अपराहन 02.00 बजे अद्योहस्ताक्षरी के अध्यक्षता में खोली जायेगी। प्रत्येक परियोजना की अलग–अलग निविदा शुल्क तथा 02 प्रतिशत (अर्नेस्ट मनी धरोहर धनराशि) को कार्यालय में जमा की जायेगी। अन्य जानकारी किसी भी कार्यालय दिवस में कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है। परियोजनाओं, पर नियम व शर्ते निम्नवत् है–

क्र. सं.	कार्य का नाम	प्राक्कलन की धनराशि लेबर शेष एवं 18% जी0एस0टी0 सहित	2% सत्यंकार (अर्नेस्टमनी) की धनराशि	जमानती राशि 8%	निविदा टेण्डर शुल्क	कार्यदेश के दिनॉक से कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	2	3	4	5	6	7
1	विकास खण्ड परिसर भवन की रंगाई पुताई कार्य।	868000	17360	69440	590	03 माह
2	बाल विकास परियोजना कार्यालय भनवापुर के छत का मरम्मत एवं रंगाई पुताई कार्य।	703000	14060	56240	590	03 माह
3	सहायक विकास अधिकारी (पं0) कक्ष का छत का मरम्मत एवं रंगाई पुताई कार्य।	735000	14700	58800	590	03 माह
4	विकास खण्ड में स्थित प्रमुख कक्ष का छत का मरम्मत एवं रंगाई पुताई एवं अन्य कार्य।	804000	16080	64320	590	03 माह
5	विकास खण्ड के मेन कार्यालय के छत का मरम्मत एवं रंगाई पुताई एवं अन्य कार्य।	890000	17800	71200	590	03 माह
6	खण्ड विकास अधिकारी कक्ष के छत का मरम्मत एवं रंगाई पुताई एवं अन्य कार्य।	882000	17640	70560	590	03 माह
7	विकास खण्ड भनवापुर में मनरेगा सेल के छत का मरम्मत एवं रंगाई पुताई कार्य।	888000	17760	71040	590	03 माह
8	क्षेत्र पंचायत भनवापुर के सभागार के छत का मरम्मत कार्य।	892000	17840	71360	590	03 माह
9	सोहना खखराव मार्ग पर क्षतिग्रस्त पुलिया का निर्माण कार्य।	846000	16920	67680	590	03 माह
10	कठौतिया गोकुल में सड़के के बगल जल निकासी हेतु पुलिया निर्माण कार्य।	846000	16920	67680	590	03 माह
11	विकास विद्यालय सोहना में आर0ओ0 निर्माण कार्य।	642000	12840	51360	590	03 माह
12	सनसाइन विद्यालय रजवापुर में आर0ओ0 निर्माण कार्य।	642000	12840	51360	590	03 माह
13	रजवापुर विद्यालय प्रांगण में आर0ओ0 निर्माण कार्य।	642000	12840	51360	590	03 माह
14	प्रकाश प्रजापति के घर से छांगुर वर्मा के घर तक नाली निर्माण कार्य।	961000	19220	76880	590	03 माह
15	सहदेईया में काली जी के स्थान से शास्त्री जी के घर तक इण्टरलाकिंग कार्य।	943000	18860	75440	590	03 माह
16	मधुकरपुर विद्यालय का अवशेष इण्टरलाकिंग कार्य।	978000	19560	78240	590	03 माह
17	सुकालाजोत हनुमानजी के मन्दिर पर इण्टरलाकिंग कार्य।	964000	19280	77120	590	03 माह
18	सहिजवार मन्दिर परिसर में इण्टरलाकिंग कार्य।	992000	19840	79360	590	03 माह
19	पचमरी में तुलाराम के घर से राम जानकी मन्दिर तक इण्टरलाकिंग कार्य।	977000	19540	78160	590	03 माह
20	पिपरा पाण्डेय में शोहरत के घर से रामसूरत के घर तक इण्टरलाकिंग कार्य।	993000	19860	79440	590	03 माह
21	महतिनिया खुर्द में ब्रह्म बाबा के मंदिर प्रांगण का अवशेष इटरलाकिग कार्य	970000	19400	77600	590	03 माह
22	विकास खण्ड परिसर में क्षतिग्रस्त बाउण्डरीवाल की मरम्मत एवं रंगाई पुताई का कार्य।	950000	19000	76000	590	03 माह
23	सिरसिया में माता जी के स्थान पर छोटा हाईमास्ट स्थापना कार्य।	300000	6000	24000	590	03 माह
24	कुसुम्ही चौराहे पर छोटा हाईमास्ट स्थापना कार्य।	300000	6000	24000	590	03 माह
25	मन्नीजोत काली जी के स्थान पर छोटा हाईमास्ट स्थापना कार्य।	300000	6000	24000	590	03 माह
26	बरगदवा में काली जी के स्थान पर छोटा हाईमास्ट स्थापना कार्य।	300000	6000	24000	590	03 माह
27	बेनीनगर में छोटा हाईमास्ट स्थापना कार्य।	300000	6000	24000	590	03 माह
28	डेगहाजोत कस्तूरी में छोटा हाईमास्ट स्थापना कार्य।	300000	6000	24000	590	03 माह
29	मनिकौरा चौराहा पर छोटा हाईमास्ट स्थापना कार्य।	300000	6000	24000	590	03 माह
30	पचउध में पंचायत भवान पर छोटा हाईमास्ट लाईट कार्य	300000	6000	24000	590	03 माह

नियमएवंशर्तें

01. प्रत्येक कार्य को पूर्ण करने की अनुमन्य अवधि उक्त तलिका के कालम (07) में दर्शाया गया है।
02. निविदा के साथ निविदा शुल्क जो उक्त तालिका के कालम नं0 (06) में दर्शाया गया है की अंकित धनराशि को क्षेत्र निधि खाता सं0 11694541721 बैक का नाम भारतीय स्टेट बैक भनवापुर IFSc Code SBIN0003535 में NEFT/RTGS के माध्यम से जमा करना होगा, तथा 02 (दो) प्रतिशत अर्नेस्टमनी की धनराशि जो कॉलम नं0 (04) में अंकित है, को किसी राष्ट्रीयकृत बैक से एफ0डी0 एवं एन0एस0सी0/डाकघर बचत पत्र/एन0एस0सी0 के रूप में ,खण्ड विकास अधिकारी भनवापुर के नाम से बंधक युक्त उपलब्ध कराना अनिवार्य होगा ।
03. प्रत्येक दशा में कार्य निर्धारित समय–सीमा में पूर्ण किया जाना अनिवार्य होगा।
04. कार्य किसी अन्य को कदापि हस्तान्तरित नही किया जायेगा ,निविदा स्वीकृत के बाद यदि हस्तान्तरित की स्थिति प्रकाश में आती है तो अनुबन्ध निरस्त कर दिया जायेगा।
05. निविदा खोलने की कार्यवाही अधोहस्ताक्षरी कार्यालय में गठित समिति के सदस्यों के द्वारा निविदादाताओं अथवा उनके प्रतिनिधि के समक्ष खोली जायेगी।
06. निर्माण नियमावली –1984 के अनुसार निर्माण का परिवर्तन/परिर्वधन/निरस्तीकरण का अधिकार खण्ड विकास अधिकारी भनवापुर सिद्धार्थनगर के अधिकार में निहित होगा तथा बिना कोई कारण बताये अथवा बिना कोइ नोटिस दिये किसी भी निविदा को निरस्त करने का पूर्ण अधिकार खण्ड विकास अधिकारी भनवापुर में निहित होगा।
07. निविदा प्रपत्र अपूर्ण अथवा सही ढंग से, न भरे होने पर निविदाये स्वीकार नही की जायेगी ।
08. खण्ड विकास अधिकारी भनवापुर सिद्धार्थनगर को विशेष परिस्थितियों में आवश्यकतानुसार दण्ड आरोपित करने अथवा बिना कोई दण्ड आरोपित किये समय वृद्धि करने का अधिकार होगा।
09. ठेकेदार को अवर अभियन्ता(ग्रा0अभि0वि0) के तकनीकी मार्ग निर्देशानुसार कार्य करना होगा।
10. ठेकेदार द्वारा 02 प्रतिशत सत्यंकार (अर्नेस्टमनी) की धनराशि का एफ0डी0आर0 निविदा के साथ जमा की जायेगी । यदि ठेकेदार द्वारा 2: सत्यंकार (अर्नेस्टमनी) की पूर्ण धनराशि नही जमा किया जाता है। तो निविदा अस्वीकृत कर दिया जायेगा।
11. जमानत धनराशि तब तक वापस नही किया जायेगा जब तक निर्माण कार्य पूरा होने के दिनांक से छः माह की अवधि समाप्त न हो जाय ।
12. किसी विवाद की दशा में खण्ड विकास अधिकारी भनवापुर का निर्णय अन्तिम होगा जो उभय पक्ष को मान्य होगा।
13. ठेकेदार के बिल से शासन के निर्देशानुसार देय करो (आयकर एवं जी0एस0टी0 तथा लेबर शेष) का नियमानुसार कटौती किया जायेगा, जो ठेकेदार को मान्य होगा।
14. उपरोक्त निर्माण कार्यो का भुगतान क्षेत्र पंचायत भनवापुर के अन्तर्गत कुल उपलब्ध एंव प्राप्त धनराशि से किया जायेगा।
15. निविदा के साथ निविदादाताओं को नियमानुसार 100.00 रूपये के स्टाम्प पेपर पर हस्ताक्षर एवं रसीदी टिकट लगाकर देना होगा।
16. निविदा डालते समय प्राक्कलन की धनराशि सें विलो टेण्डर डालने पर ठेकेदार द्वारा समिति के समक्ष उपस्थिति होकर स्पष्ट करना होगा कि प्राक्कलन के विशिष्टियों के अनुसार किस प्रकार से कार्य कराये जायेगे। समिति के संतुष्ट होने पर निविदा स्वीकृत किया जायेगा।
17. निविदा के साथ ठेकेदारों को पंजीयन प्रमाण पत्र, 02 प्रतिशत सत्यंकार (अर्नेस्टमनी) की धनराशि एवं निविदा शुल्क की जमा पर्ची की स्व प्रमाणित छाया प्रतिया`/छायाप्रति आदि वांछित अभिलेख दिनांक 17.07.2026 को मध्याह्न 12.00 बजे से पूर्व वांछित प्रपत्र बन्द लिफाफे में ख0वि0अ0 कार्यालय भनवापुर के निविदा बाक्स में डालना अनिवार्य होगा ।
18. ठेकेदार द्वारा अनुबन्ध कराने के उपरान्त ही कार्य प्रारम्भ कराया जायेगा। अनुबन्ध के पूर्व किया गया कार्य स्वतः श्रमदान घोषित हो जायेगा।
19. समय–समय पर यदि आवश्यक हुआ तो आदेश व सुविधा कार्यालय पर उपलब्ध रहेगा। शेष अन्य नियम एवं शर्तो की जानकारी किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है।

खण्ड विकास अधिकारी
भनवापुर, सिद्धार्थनगर

प्रमुख क्षेत्र पंचायत
भनवापुर,सिद्धार्थनगर

अवर अभियन्ता
भनवापुर,सिद्धार्थनगर

पयागपुर नगर पंचायत ने कराए दो विकास कार्य, सीसी सड़क, इंटरलॉकिंग व नाली निर्माण से लोगों को मिलेगी राहत

दैनिक बुद्ध का संदेश

पयागपुर/बहराइच। आदर्श नगर पंचायत पयागपुर द्वारा नगर क्षेत्र में आधारभूत सुविधाओं को सु.ढ़ करने की दिशा में दो महत्वपूर्ण विकास कार्य पूरे किए गए हैं। वार्ड संख्या–15 कोटबाजार में मुस्ताक के घर से झब्बर खान के मकान तक सीसी सड़क का निर्माण कराया गया है। वहीं वार्ड संख्या–13 सचौली में राकेश सिंह के बाग से प्रदीप के घर तक इंटरलॉकिंग मार्ग एवं नाली निर्माण का कार्य संपन्न कराया गया। नगर पंचायत के अनुसार इन विकास कार्यों से स्थानीय नागरिकों को बेहतर आवागमन की सुविधा मिलेगी, जलभराव की समस्या में कमी आएगी तथा क्षेत्र के समग्र विकास को गति मिलेगी।नगर पंचायत पयागपुर ने कहा कि नगरवासियों को बेहतर नागरिक सुविधाएं उपलब्ध कराने और विकास कार्यों को निरंतर आगे बढ़ाने के लिए वह प्रतिबद्ध है।

जुलाई को रोजगार मेले का आयोजन, युवाओं को मिलेगा निजी क्षेत्र में रोजगार का अवसर

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जिला सेवायोजन अधिकारी ने अवगत कराया है कि जनपद के बेरोजगार अभ्यर्थियों को रोजगार देने के लिए 10.07.2026 को प्रातः 10रू00 बजे से जिला सेवायोजन कार्यालय, खुशबू बाग नर्सरी रोड (जिला अस्पताल के सामने) लोढ़ी, राबर्ट्सगंज, सोनभद्र के परिसर में रोजगार मेला का आयोजन किया जाना है, जिसमें निजी क्षेत्र की लगभग 08 कम्पनियां प्रतिभाग करेंगी जिसमें क्वेस कार्प लि० (हिण्डालको इण्डस्ट्रीज, रेनूकुट, सोनभद्र), लर्नर प्रा०लि०, गुड़गाँव, ठाकुर पब्लिकेशन, लखनऊ, कैस्पर माईक्रो क्रेडिट, राबर्ट्सगंज, सोनभद्र, सोन आटोमोबाइल जोन, राबर्ट्सगंज, सुप्रिया सोलर रावर्ट्सगंज, स्मार्ट वेल्थ प्राल्नर, रावर्ट्सगंज, इण्डियन एसोसिएट्स, रावर्ट्सगंज, सोनभद्र इत्यादि कम्पनियों द्वारा विभिन्न पदों पर भर्तियां की जाएगी। समस्त इच्छुक एवं योग्य बेरोजगार अभ्यर्थियों का साक्षात्कार नियोजकों द्वारा जिला सेवायोजन कार्यालय, खुशबू बाग नर्सरी रोड (जिला अस्पताल के सामने) लोढ़ी, राबर्ट्सगंज, सोनभद्र के परिसर में लिया जायेगा। यह रोजगार मेला पूर्णतः निःशुल्क है। इस हेतु कोई यात्रा व्यय देय नहीं होगा।

मतदेय स्थलों के सम्भाजन के संबंध में 15 जुलाई को महत्वपूर्ण बैठक आयोजित होगी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र।उप जिला निर्वाचन अधिकारी वागीश कुमार शुक्ला ने अवगत कराया है कि आगामी निर्वाचन की तैयारियों के क्रम में मतदेय स्थलों के सम्भाजन के संबंध में जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ की अध्यक्षता में 15 जुलाई, 2026 को अपराह्न 02:00 बजे कलेक्ट्रेट सभागार में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की जाएगी। उन्होंने बताया कि बैठक में मतदेय स्थलों के सम्भाजन से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की जाएगी तथा आवश्यक दिशा–निर्देश प्रदान किए जाएंगे, जिससे निर्वाचन संबंधी तैयारियों को समयबद्ध एवं प्रभावी ढंग से संपन्न कराया जा सके। उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों से अनुरोध किया है कि वे निर्धारित तिथि एवं समय पर बैठक में अनिवार्य रूप से उपस्थित होकर प्रतिभाग करें, ताकि मतदेय स्थलों के सम्भाजन की कार्यवाही सुचारु रूप से संपन्न कराई जा सके।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म एवं धमकी देने के प्रकरण में वांछित अभियुक्त गिरतार

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा' के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में तथा अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) ' अनिल कुमार' एवं क्षेत्राधिकारी पिपरी ' हर्ष पाण्डेय' के पर्यवेक्षण तथा थाना अनपरा पुलिस के कुशल नेतृत्व में थाना अनपरा पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। थाना

ओडीओपी प्रशिक्षण एवं टूलकिट योजना के आवेदकों का साक्षात्कार 13 से 15 जुलाई तक

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। जनपद में सरकार की महत्वपूर्ण योजना और युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने की पहल के क्रम में जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केन्द्र द्वारा एक जनपद–एक उत्पाद (ओडीओपी) योजना के अंतर्गत दाल, मक्का एवं खाद्य प्रसंस्करण से संबंधित 10 दिवसीय प्रशिक्षण एवं प्रशिक्षण उपरांत उन्नत टूलकिट वितरण हेतु ऑनलाइन आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों के साक्षात्कार की तिथियां घोषित कर दी गई हैं।उपायुक्त उद्योग बाबूराम ने बताया कि 13 जुलाई को खाद्य प्रसंस्करण (दाल), 14 जुलाई को खाद्य प्रसंस्करण तथा 15 जुलाई को खाद्य प्रसंस्करण (मक्का) से संबंधित आवेदकों का साक्षात्कार आयोजित किया जाएगा।सभी साक्षात्कार पूर्वाह्न 11 बजे से कार्यालय उपायुक्त उद्योग, जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केन्द्र, गोण्डा में संपन्न होंगे।उन्होंने बताया कि जिन अभ्यर्थियों ने वेबसाइट ूउेउम.नच.हवअ.पद पर ऑनलाइन आवेदन किया है, वे निर्धारित तिथि एवं समय पर अपने सभी मूल दस्तावेजों के साथ अनिवार्य रूप से उपस्थित हों। साक्षात्कार में अनुपस्थित रहने वाले आवेदकों के आवेदन पर कोई विचार नहीं किया जाएगा।उपायुक्त उद्योग ने सभी पात्र अभ्यर्थियों से समय से उपस्थित होकर चयन प्रक्रिया में भाग लेने की अपील की है।

बारिश में बड़ा हादसा टला: रोडवेज बस के सामने गिरी पेड़ की विशाल डाल, बाल-बाल बचे यात्री

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। जिले के कोतवाली देहात क्षेत्र में स्थित गोनार्ड लॉन के पास गुरुवार को बारिश के दौरान एक बड़ा हादसा टल गया। तेज बारिश के बीच सड़क किनारे खड़े पेड़ की एक विशाल डाल

अचानक टूटकर सड़क पर गिर गई। इसी दौरान सवारियों से भरी एक रोडवेज बस मौके पर पहुंच गई। हालांकि डाल बस से कुछ दूरी पर गिरी, जिससे चालक ने सतर्कता बरतते हुए बस को सुरक्षित निकाल लिया और बड़ा हादसा होने से बच गया। वहीं, पीछे आ रही एक कार के चालक ने भी सूझबूझ दिखाते हुए अपना रास्ता बदल लिया, जिससे वह भी दुर्घटना का शिकार होने से बच गया। घटना के बाद कुछ देर के लिए सड़क पर अफरा–तफरी का माहौल रहा। स्थानीय लोगों का कहना है कि बारिश के मौसम में पुराने और जर्जर पेड़ों की शाखाएं गिरने का खतरा बना रहता है। लोगों ने प्रशासन से ऐसे पेड़ों की समय रहते छंटाई कराने की मांग की है, ताकि भविष्य में किसी बड़ी दुर्घटना से बचा जा सके।

श्रावस्ती पुलिस का मिशन शक्ति अभियान जारी, महिलाओं को किया गया जागरूक

दैनिक बुद्ध का संदेश

श्रावस्ती। जनपद में महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा,

सम्मान एवं आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से श्रावस्ती पुलिस द्वारा मिशन शक्ति फेज.5 (द्वितीय चरण) के तहत व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी के निर्देशन तथा अपर पुलिस अधीक्षक चंद्रकेश सिंह एवं क्षेत्राधिकारीगण के पर्यवेक्षण में शक्ति मोबाइल टीम ने ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में चौपाल, जनसंवाद और जनसंपर्क कार्यक्रम आयोजित किए। इस दौरान महिलाओं और बालिकाओं को उनके कानूनी अधिकारों, सुरक्षा उपायों और पुलिस सहायता सेवाओं की जानकारी दी गई तथा किसी भी समस्या की स्थिति में निडर होकर पुलिस से संपर्क करने के लिए प्रेरित किया गया।कार्यक्रम में साइबर अपराधों से बचाव पर विशेष जोर देते हुए ऑनलाइन ठगी, फर्जी कॉल, सोशल मीडिया फ्रॉड और संदिग्ध लिंक से सावधान रहने की सलाह दी गई। साथ ही ओटीपी और बैंक संबंधी गोपनीय जानकारी किसी से साझा न करने तथा साइबर अपराध होने पर तुरंत हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज कराने की अपील की गई। महिलाओं को महिला हेल्पलाइन, यूपीकॉपऐप, सीसीटीएनएस प्रणाली, मिशन शक्ति केंद्र एवं साइबर हेल्प डेस्क की सुविधाओं की जानकारी भी दी गई।

बुद्ध की तपोस्थली श्रावस्ती पहुंचे बौद्ध श्रद्धालु, जेतवन में किया पूजन–अर्चना

बुद्ध का संदेश

श्रावस्ती। बुद्ध की तपोस्थली श्रावस्ती स्थित जेतवन विहार

में बौद्ध श्रद्धालुओं ने बौद्ध भिक्षु भंवरानंद की अध्यक्षता में कौशाम कुटी एवं गंध कुटी पर विधि–विधान से पूजन–अर्चन किया। इस दौरान श्रद्धालुओं ने भगवान बुद्ध के बताए मार्ग पर चलने का संकल्प भी लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बौद्ध भिक्षु भंवरानंद ने कहा कि भगवान महात्मा बुद्ध का जीवन और उनके उपदेश आज भी पूरे विश्व के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। उन्होंने बताया कि बुद्ध का संदेश शांति, अहिंसा, करुणा और आत्मज्ञान पर आधारित है। त्रिपिटक, धम्मपद, जातक कथाएं और महावग्ग जैसे बौद्ध ग्रंथ आत्मसंयम, संतुलित जीवन तथा समाज के प्रति दया और करुणा की भावना विकसित करने की प्रेरणा देते हैं।पूजन–अर्चन के उपरांत श्रद्धालुओं ने जेतवन परिसर का भ्रमण कर वहां के ऐतिहासिक स्थलों की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने सभा मंडप, गंध कुटी, सूर्यकुंड, शिवली स्तूप, राहुल कुटी, संघमित्रा कुटी, संघाराम बुद्ध विहार, कच्ची कुटी तथा पक्की कुटी सहित अन्य स्थलों का अवलोकन किया। इस अवसर पर आनंद सागर, माता विद्यावती, देवानंद, भंवरानंद, नागलोक सहित अनेक बौद्ध श्रद्धालु उपस्थित रहे।

पयागपुर में नई तैनाती, पूजा चौधरी के नेतृत्व में बदलेगी प्रशासनिक तस्वीर

दैनिक बुद्ध का संदेश

पयागपुर बहराइच। प्रशासनिक फेरबदल के तहत पूजा चौधरी को पयागपुर का नया एसडीएम नियुक्त किया गया है। जल्द ही वह अपना कार्यभार ग्रहण करेंगी। उनकी नियुक्ति को लेकर प्रशासनिक महकमे के साथ–साथ क्षेत्र में भी सकारात्मक प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। प्राप्त जानकारी अनुसार पूजा चौधरी इससे पहले बहराइच मुख्यालय में अतिरिक्त मजिस्ट्रेट (द्वितीय) के पद पर कार्यरत थीं। अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने प्रशासनिक मामलों के त्वरित निस्तारण, अनुशासित कार्यशैली और जनहित से जुड़े विषयों पर सक्रिय भूमिका निभाई।

इन्हीं अनुभवों के आधार पर उन्हें पयागपुर जैसी महत्वपूर्ण तहसील की जिम्मेदारी सौंपी गई है। नई तैनाती के साथ अब कानून–व्यवस्था, राजस्व मामलों, जनशिकायतों के निस्तारण और शासन की विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर लोगों की उम्मीदें बढ़ गई हैं। क्षेत्रवासियों का मानना है कि उनके नेतृत्व में प्रशासनिक व्यवस्था और अधिक पारदर्शी एवं जवाबदेह बनेगी। वहीं, पयागपुर के निवर्तमान एसडीएम अश्वनी पांडेय का तबादला कर उन्हें बहराइच मुख्यालय में अतिरिक्त मजिस्ट्रेट (प्रथम) बनाया गया है। अपने कार्यकाल में उन्होंने अतिक्रमण हटाने के अभियान, भू–माफियाओं के विरुद्ध कार्रवाई, संपूर्ण समाधान दिवस के माध्यम से जनसमस्याओं के त्वरित निस्तारण तथा प्रभावी प्रशासनिक कार्यशैली से अलग पहचान बनाई। अब पयागपुर की कमान पूजा चौधरी के हाथों में होगी। लोगों को उम्मीद है कि उनके नेतृत्व में तहसील में सुशासन, पारदर्शिता और विकास कार्यों को नई दिशा मिलेगी तथा आमजन की समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित होगा।

मौसम का मिजाज बदला बारिश हुई शुरू,गर्मी में राहत के साथ ही किसानों के चेहरे पर खुशी की लहर

बुद्ध का संदेश

गोन्डा। जनपद में गुरुवार सुबह

10 बजे से मौसम का रूख बदल गया और हल्की हवाओं के साथ शहरी और ग्रामीण इलाकों में लगातार बारिश शुरू हो गई।मौसम विभाग ने भारी बारिश को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया है, साथ ही आकाशीय बिजली गिरने की भी चेतावनी दी है।मौसम विभाग के अनुसार अगले तीन घंटों के भीतर 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रतार से हवाएं चलने और तेज बारिश के साथ आकाशीय बिजली गिरने की आशंका जताई गई है।इस बारिश से जहां भीषण गर्मी और मौसम सुहाना हो गया है तथा लोगों को गर्मी से राहत मिली है।वहीं धान की रोपाई कर रहे किसानों को भी लाभ हुआ है, जिन्हें पहले पानी की कमी का सामना करना पड़ रहा था। लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के मद्देनजर किसानो को खेती में भरपूर लाभ होना बताया जा रहा है।वहीं आपदा कार्यालय गोन्डा से पूरे जनपद में स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है।डीएम प्रियंका निरंजन ने बताया कि मौसम विभाग द्वारा भारी बरसात और आकाशीय बिजली गिरने की चेतावनी पहले ही जारी की जा चुकी है,इसलिए लोगों को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं।उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की समस्या होने पर लोग तत्काल जिला आपदा कंट्रोल रूम में शिकायत दर्ज करा सकते हैं।इस वर्ष जुलाई माह में सर्वाधिक बरसात होने की संभावना है। गोन्डा नगर पालिका के अधिकारियों और कर्मचारियों को भी निर्देश दिया गया है कि मूसलाधार बरसात को लेकर के लगातार अलग–अलग वार्ड में निरीक्षण करें जहां जल भराव की समस्या हो तत्काल दूर करें।

गौकसी हेतु गौ ले जाने के आरोप पर हिन्दू संगठनों ने दिया तहरीर किया प्रदर्शन,पुलिस जांच प्रचलित

दैनिक बुध का संदेश

गोन्डा। जनपद के छपिया थाना क्षेत्र अन्तर्गत हथियागढ पुलिस चौकी के सामने देर रात 11 बजे के करीब गौ–कशी के आरोप को लेकर बजरंग दल और हिंदू संगठनों ने जमकर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने मसकनवा–गौरा चौकी मार्ग को लगभग तीन घंटे तक जाम रखा। स्थानीय सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार यह घटना देर रात 11 बजे के करीब शुरू हुई और 1 बजे तक चली।हिंदू संगठनों ने आरोप लगाया कि मल्हीपुर और केशव नगर ग्रंट के निवासी नासिर और राजेश दो गायों को क्रूरतापूर्वक गौकशी के लिए ले जा रहे थे। बजरंग दल के गौ रक्षकों ने इन गायों को बरामद

कर हथियागढ़ पुलिस चौकी में बांध दिया।इसके बाद प्रदर्शनकारियों ने आरोपियों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की मांग करते हुए सड़क जाम कर दी।सड़क जाम की सूचना मिलते ही मनकापुर के क्षेत्राधिकारी (सीओ) उदित नारायण पालीवाल मौके पर पहुंचे।उन्होंने तीन घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद प्रदर्शनकारियों को समझा–बुझाकर मसकनवा–गौरा चौकी मार्ग से जाम हटवाया। बजरंग दल के गौ रक्षक प्रमुख सुरेश कुमार सोनी ने इस संबंध में छपिया थाने में तहरीर दी है।उन्होंने आरोप लगाया कि नसीर और राजेश गायों को गौकशी के लिए ले जा रहे थे और स्थानीय लोगों की सूचना पर जब वे मौके पर पहुंचे तो आरोपी गायों को छोड़कर फरार हो गए।सुरेश कुमार सोनी की तहरीर के आधार पर छपिया थाने की पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।सीओ मनकापुर उदित नारायण पालीवाल ने बताया कि प्रदर्शनकारियों को लगा कि गायों को गौकशी के लिए ले जाया जा रहा था,जिसके कारण उन्होंने विरोध प्रदर्शन किया।

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि जांच अभी जारी है और अब तक गौकशी जैसी कोई बात सामने नहीं आई है।

आकाशीय बिजली गिरने से 60 वर्षीय किसान की मौत

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़, सिद्धार्थनगर।थाना क्षेत्र के कोइली घाट के सिवान में गुरुवार दोपहर करीब तीन बजे बारिश के दौरान आकाशीय बिजली गिरने से एक किसान की मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और राजस्व विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई। मृतक की पहचान ग्राम पंचायत कोइरीडीहा निवासी सुग्रीम मौर्या (55) पुत्र रामफेर मौर्या के रूप में हुई है। बताया गया कि वह अपनी बेटी सुनीता के ससुराल कोइली घाट गया था। गुरुवार को धान की रोपाई के लिए खेत में नर्सरी काट रहा था। इसी दौरान तेज गरज के साथ बारिश शुरू हो गई और अचानक आकाशीय बिजली गिरने से वह उसकी चपेट में आ गया। हादसे में उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना पर शोहरतगढ़ पुलिस मौके पर पहुंची और तहसील प्रशासन को अवगत कराया। एसडीएम कर्मेन्द्र कुमार के निर्देश पर नायब तहसीलदार और संबंधित हल्का लेखपाल ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक जांच और कागजी कार्रवाई पूरी की। पुलिस ने पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। एसडीएम कर्मेन्द्र कुमार ने बताया कि आकाशीय बिजली गिरने से किसान की मृत्यु हुई है। जांच रिपोर्ट पूरी होने के बाद शासन के नियमानुसार मृतक के परिजनों को आपदा राहत कोष से आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। घटना के बाद मृतक के परिवार में कोहराम मचा हुआ है, जबकि गांव में शोक का माहौल है।

पुलिस अधीक्षक ने जनसुनवाई में सुनीं फरियादें, त्वरित निस्तारण के दिए निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा ने पुलिस कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई/जनता दर्शन कार्यक्रम में विभिन्न थाना क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों की शिकायतों को गंभीरता से सुना। इस दौरान राजस्व विवादों समेत पुलिस से संबंधित विभिन्न मामलों की शिकायतें प्राप्त हुईं। पुलिस अधीक्षक ने सभी प्रकरणों का संज्ञान लेते हुए संबंधित क्षेत्राधिकारियों और थाना प्रभारियों को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं समयबद्ध तरीके से शिकायतों का निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक शिकायत की तथ्यपरक जांच कर पीड़ितों को समय पर कार्रवाई की जानकारी दी जाए। साथ ही लापरवाही, अनावश्यक विलंब या

उत्पीड़न पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की चेतावनी भी दी। जिन मामलों में तत्काल हस्तक्षेप की आवश्यकता है, उनमें बिना देरी विधिक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

सरस्वती शिशु मंदिर में नवनिर्मित सभागार का विधायक विनय वर्मा ने किया लोकार्पण

21.31 लाख की लागत से बना सभागार, विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में होगा सहायक

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़, सिद्धार्थनगर/आदर्श नगर पंचायत शोहरतगढ़ स्थित सरस्वती शिशु मंदिर इंटर कॉलेज में विधायक क्षेत्र विकास निधि से 21.31 लाख रुपये की लागत से निर्मित सभागार का लोकार्पण बुधवार को मुख्य अतिथि एवं शोहरतगढ़ विधायक विनय वर्मा ने किया। कार्यक्रम का शुभारंभ वैदिक मंत्रोच्चार, पूजन–अर्चन एवं दीप

प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। इसके बाद विधायक ने फीता काटकर नवनिर्मित सभागार का लोकार्पण किया। अपने संबोधन में विधायक विनय वर्मा ने कहा कि विद्यालय में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का वातावरण तैयार कर क्षेत्र के बच्चों को बेहतर शिक्षा प्रदान की जा रही है। उन्होंने कहा कि नव निर्मित सभागार का उपयोग विद्यालय के शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं अन्य आयोजनों में होगा, जिससे छात्र–छात्राओं और शिक्षकों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों की शिक्षा के प्रति गंभीर रहने का आह्वान करते हुए कहा कि शिक्षा ही व्यक्ति के उज्ज्वल भविष्य और समाज के विकास की सबसे मजबूत आधारशिला है। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय प्रबंधक राम मिलन त्रिपाठी ने की। विद्यालय प्रबंधक विपुल कुमार सिंह एवं प्रधानाचार्य शक्ति सिंह ने भी शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए अतिथियों का स्वागत एवं आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर विभाग कार्यवाह शिवमूर्ति, राजेश आर्या, बालमुकुंद वर्मा, फणेन्द्र नाथ झा, शिवकुमार अग्रवाल, शैलेन्द्र कौशल, मनोज गुप्ता, रामदास शुक्ला, रत्नेश सोनी, रामदास मौर्य, किशोरी लाल, राजेन्द्र वर्मा, बाबा राम उजागिर सहित विद्यालय परिवार एवं क्षेत्र के गणमान्य लोग उपस्थित रहे। फोटो रू सरस्वती शिशु मंदिर इंटर कॉलेज में नवनिर्मित सभागार का लोकार्पण करते विधायक विनय वर्मा।

अगरबत्ती निर्माण प्रशिक्षण का समापन, प्रशिक्षणार्थियों को बांटे गए प्रमाण पत्र

सबीआई आरसेटी के प्रशिक्षण में महिलाओं और युवाओं को स्वरोजगार के लिए किया गया प्रेरित

शोहरतगढ़सिद्धार्थनगर/भारतीय स्टेट बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (एसबीआई आरसेटी), सिद्धार्थनगर की ओर से ग्रामीण महिलाओं एवं बेरोजगार युवाओं के लिए आयोजित बेसिक होममेड अगरबत्ती मेकिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम का बुधवार को भव्य समापन हुआ। समापन समारोह में सफल प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के निदेशक सुनील गुप्ता ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में लीड बैंक के मुख्य प्रबंधक रवि कुमार सिंहा मौजूद रहे। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित करते हुए कहा कि वर्तमान समय में आत्मनिर्भर बनने के लिए स्वरोजगार सबसे प्रभावी माध्यम है। अगरबत्ती जैसे उत्पादों की बाजार में हमेशा मांग बनी रहती है। ऐसे में प्रशिक्षित युवा और महिलाएं अपना स्वयं का व्यवसाय शुरू कर आर्थिक रूप से सशक्त बन सकते हैं। संस्थान के वरिष्ठ प्रशिक्षक पवन कुमार प्रजापति ने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को उच्च गुणवत्ता वाली होममेड अगरबत्ती, धूपबत्ती एवं कोन (ब्वदम) बनाने का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। इसके अलावा पैकेजिंग, विपणन, लागत निर्धारण और डिजिटल भुगतान जैसी महत्वपूर्ण जानकारियां भी साझा की गईं। उन्होंने बताया कि जो प्रशिक्षणार्थी अपना उद्योग या कुटीर उद्योग स्थापित करना चाहते हैं, उन्हें भारतीय स्टेट बैंक तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं, विशेषकर मुद्रा ऋण योजना के माध्यम से वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने में संस्थान हरसंभव सहयोग करेगा। प्रमाण पत्र प्राप्त करने के बाद प्रशिक्षणार्थियों में उत्साह और आत्मविश्वास देखने को मिला। महिला प्रतिभागियों ने कहा कि इस प्रशिक्षण ने उन्हें नया कौशल सीखने के साथ–साथ आत्मनिर्भर बनने और समाज में अपनी अलग पहचान स्थापित करने का अवसर प्रदान किया है। समापन समारोह में संस्थान के संकाय सदस्य आलोक सिंह, सोनू यादव, सुनील यादव, रामराज मिश्रा सहित संस्थान के सभी कर्मचारी उपस्थित रहे।फोटो रू प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित करते मुख्य अतिथि एवं अन्य अतिथि।

सड़क पर हो रहे जल जमाव से परेशान ग्रामीणों ने किया विरोध प्रदर्शन

दैनिक बुद्ध का संदेश

डाला/सोनभद्र। मानकों को ताख पर रखकर बनाए गए नवनिर्मित तेलगुड़वा –कोन संपर्क मार्ग में हो रहे जल जमाव से आवागमन करने वाले राहगीरों का जन–जीवन अस्त–व्यस्त हो गया है।कोटा गांव में सड़क पर हुए जलजमाव से परेशान ग्रामीणों ने गुरुवार को विरोध प्रदर्शन कर आक्रोश जताया। चोपन विकास खंड अंतर्गत कोटा ग्राम पंचायत के कोटा खास में पानी निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण बारिश होते ही सड़क पर जलजमाव हो गया जिससे स्कूली बच्चों समेत राहगीरों को आवागमन में समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। बताया जाता है कि उक्त संपर्क मार्ग के निर्माण में लगभग 50 करोड़ रुपये आवंटित किए

गए थे जो भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया है मानक विहीन कार्य के कारण जगह–जगह सड़क पर हो रहे जलजमाव से परेशान कोटा गांव के दर्जनों लोगों ने एकत्रित होकर विरोध प्रदर्शन कर जिला प्रशासन का ध्यान आ.ष्ट कराते हुए सड़क को दुरुस्त करने की मांग किया गया। ग्रामीण निर्भय चौधरी ने बताया कि सड़क निर्माण के दौरान गुणवत्ता मानकों का पालन नहीं किया गया। कोटा खास बाजार में सड़क को एक स्तर पर नहीं बनाया गया है। सड़क के दोनों किनारों को ऊंचा कर दिया गया है जिससे बारिश का पानी सड़क के मध्य में जमा हो जाता है और जलभराव की स्थिति बन जाती है।पानी निकासी नहीं होने से पैदल व मोटरसाइकिल सवारों को आवागमन में असुविधा हो रही है। लवकुश प्रजापति ने कहा कि कई बार बाइक सवार महिलाएं और बच्चे फिसलकर घायल भी हुए हैं ठेकेदार ने निर्माण कार्य में लापरवाही बरती है। सड़क लगभग पूरी हो चुकी है, लेकिन गुणवत्ता खराब है। कोटा खास मार्ग से स्कूली बच्चों का भी आना–जाना होता है पास में स्कूल भी है दुर्घटना से बचाव के लिए स्पीड ब्रेकर , सड़क की दोनों तरफ नाली निर्माण और दोनों तरफ पटरी नहीं होने से आए दिन दुर्घटनाएं घटित होती रहती हैं उक्त समस्या का समाधान यदि जल्द नहीं कराया गया तो हम ग्रामीण आंदोलन करने को बाध्य होंगे। नागेंद्र ने बताया कि तेलगुडवा तिराहे पर सड़क निर्माण कार्य के दौरान वाराणसी शक्तिनगर मार्ग की सड़क को बराबर करने के लिए खोदा गया था लेकिन सड़क निर्माण के दौरा संपर्क मार्ग को ऊंचा कर दिया गया जिससे वाराणसी शक्ति नगर मार्ग निचे हो गया जंहा बड़े–बड़े गड्ढे बनते जा रहे हैं उस में आए दिन बाइक सवार व साइकिल सवार गिरकर चोटिल हो रहे हैं लेकिन सड़क कार्यदाई ठेकेदार व पीडब्लूडी विभाग के जिम्मेदार अधिकारी व जेई ध्यान नहीं दे रहे हैं । इस दौरान अमरेश उपाध्याय, लवकेश प्रजापति आकाश उपाध्याय, धर्मदेव उपाध्याय पीयूष, पुज्जु दीपक कार्तिक आदि स ग्रामीण मौजूद रहे ।

संचारी रोग नियंत्रण अभियान के अंतर्गत विशेष स्वच्छता एवं जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ के निर्देशानुसार जनपद में संचारी रोग नियंत्रण अभियान के अंतर्गत विशेष स्वच्छता एवं जनजागरूकता कार्यक्रम संचालित किया गया। अभियान के तहत ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में साफ–सफाई, नालियों की सफाई, झाड़ियों की कटाई, खराब हैंडपंपों का चिन्हीकरण एवं मरम्मत सहित विभिन्न गतिविधियां कराई गईं। उच्च जोखिम वाले ग्रामों में माइक्रोप्लान के अनुरूप विशेष स्वच्छता अभियान चलाते हुए सफाईकर्मियों, पंचायत सहायकों, आशा एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियों तथा ग्राम प्रधानों द्वारा संचारी रोगों से बचाव के उपायों के प्रति आमजन को जागरूक किया गया। अभियान के दौरान जनपद के विभिन्न विद्यालयों में संचारी रोगों के प्रति जागरूकता रैलियां निकाली गईं और प्रभात फेरियां एवं ग्राम पंचायतों में जनजागरूकता सभाओं का आयोजन किया गया। इसके अतिरिक्त गांवों में नालियों की सफाई, कई स्थानों पर झाड़ियों की कटाई, हैंडपंपों तथा हैंडपंप चबूतरों की मरम्मत कराई गई तथा शौचालयों का निर्माण कराया गया। नगर पंचायत क्षेत्र में स्थानों पर नालियों की सफाई एवं वार्डों में फॉगिंग कराई गई। साथ ही पशुपालकों को जागरूक किया गया तथा .तंक नियंत्रण के संबंध में बैठकों का आयोजन कर संचारी रोगों की रोकथाम हेतु आवश्यक जानकारी प्रदान की गई।

महिला सुरक्षा, सशक्तिकरण एवं साइबर अपराधों के प्रति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं सशक्तिकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सोनभद्र पुलिस द्वारा मिशन शक्ति 5.0 के दूसरे चरण' के अंतर्गत जनपद में व्यापक एवं प्रभावी जनजागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के कुशल निर्देशन में जनपद के समस्त थाना क्षेत्रों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर समाज के सभी वर्गों को जागरूक किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत महिलाओं एवं बच्चों से संबंधित प्रमुख सामाजिक विषयों लिंगानुपात, लैंगिक समानता, बाल विवाह, लैंगिक शोषण, महिलाओं एवं बच्चों के प्रति होने वाली हिंसा, साक्षरता एवं स्वास्थ्य. पर विशेष रूप से प्रकाश डालते हुए जनमानस को जागरूक किया गया। इस क्रम में जनपद के समस्त थानों की मिशन शक्ति टीमों द्वारा विद्यालयों, महाविद्यालयों, कोचिंग संस्थानों, बाजारों एवं ग्राम सभाओं में संवाद कार्यक्रम आयोजित कर महिलाओं एवं बालिकाओं को गुड टच–बैड टच, आत्मरक्षा के उपाय, महिला उत्पीड़न से संबंधित विधिक अधिकारों, तथा विभिन्न हेल्पलाइन सेवाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। साथ ही साइबर अपराधों के बढ़ते खतरे को .ष्टिगत रखते हुए ऑनलाइन फ्रॉड, फर्जी कॉल/लिंक, सोशल मीडिया के दुरुपयोग, बैंकिंग धोखाधड़ी एवं व्ज्च साझा न करने के संबंध में विशेष जागरूकता उत्पन्न की गई।

अज्ञात वाहन के धक्के से बाइक सवार युवक की मौत

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र।म्योरपुर थाना क्षेत्र के बीजपुर–मुर्धवा मार्ग पर रंनटोला के पास गुरुवार की शाम करीब चार बजे अज्ञात वाहन के धक्के से बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गयी।मृतक की पहचान कमल देव यादव पुत्र गोरख यादव निवासी सायल पोस्ट महुअरिया थाना दुद्धी के रुप में हुई।युवक रोजाना की तरह रेणुकूट से ड्यूटी करके बाइक से वापस अपने घर जा रहा था तभी रन टोला जमतिहवा नाला के पहले एक अज्ञात ट्रेलर धक्का मारकर फरार हो गया।मौके पर पहुंचे थाना प्रभारी रविकांत मिश्रा ने घायल को एंबुलेंस द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र म्योरपुर में भर्ती कराया जहां उपस्थित चिकित्सक डा० पल्लवी सिन्हा ने जांचोपरांत मृत घोषित कर दिया। थाना प्रभारी रविकांत मिश्रा ने बताया कि शव को कब्जे लेकर आगे की कार्यवाही की जा रही है। हादसे का कारण बने वाहन की पहचान की जा रही है।

विद्युत विभाग की चेतावनी रूबरसात के समय विद्युत पोल से बनाए दूरी–तीर्थराज

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र/दुद्धी।बरसात के मौसम में उपभोक्ताओं की आवश्यकता को देखते हुए विद्युत विभाग द्वारा आपूर्ति सुचारू ढंग से की जा रही है।बरसात के दिनों में किसी भी तरह के जान माल का खतरा न हो इसके लिए विद्युत विभाग के एसडीओ तीर्थराज के द्वारा क्षेत्र के लोगो से अपील किया गया है कि वे इन दिनों विद्युत पोल,विद्युत लाइन,ट्रांसफार्मर या अन्य वे उपकरण जिनमें विद्युत धारा का परवाह होता हो उससे दूरी बनाए।बारिश के दिनों में करंट उतरने की संभावना रहती है।उन्होंने बताया कि विद्युत उपभोक्ताओं को किसी भी तरह की विद्युत से संबंधित समस्या आती है तो वे संबंधित विद्युतकर्मचारी को अवगत कराए ,सभी कर्मचारियों को निर्देशित किया गया है कि उपभोक्ताओं के समस्याओं का समाधान तुरंत करे।

करमा पुलिस द्वारा गुण्डा अधिनियम के अभियुक्त के विरुद्ध जिलाबदर की कार्रवाई, नियमानुसार नोटिस तामील

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र।पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा' के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन ऋषभ रुणवाल' के पर्यवेक्षण एवं क्षेत्राधिकारी घोरावल राजेश कुमार राय' के कुशल मार्गदर्शन तथा प्रभारी निरीक्षक करमा सूर्यभानके नेतृत्व में थाना करमा पुलिस द्वारा उत्तर प्रदेश गुण्डा नियंत्रण अधिनियम के एक अभियुक्त के विरुद्ध जिलाबदर की कार्रवाई की गई। अपर जिला मजिस्ट्रेट (न्यायिक), द्वारा वाद संख्या–1864/2023 (कम्प्यूटरी.त वाद संख्या–व्202316660001864), राज्य बनाम रहमान में पारित आदेश के अनुपालन में थाना करमा पुलिस द्वारा अभियुक्त रहमान पुत्र सकील अहमद, निवासी ग्राम बहेरा, थाना करमा, उम्र लगभग 28 वर्ष को नियमानुसार नोटिस तामील कराते हुए आदेशों एवं निर्देशों से अवगत कराया गया तथा उसके विरुद्ध जिलाबदर की कार्रवाई की गई।

थाना चोपन पुलिस को मिली बड़ी सफलता,चोरी की घटना का सफल अनावरण

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र।पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा' के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में तथा अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) ' अनिल कुमार' एवं क्षेत्राधिकारी नगर ' रणधीर मिश्रा' के पर्यवेक्षण में तथा प्रभारी निरीक्षक चोपन गोपाल जी गुप्ता' के कुशल नेतृत्व में थाना चोपन पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। थाना चोपन पुलिस द्वारा चोरी की घटना का सफल अनावरण करते हुए 02 अभियुक्तों को गिरतार किया गया एवं 01 बाल अपचारी को पुलिस अभिरक्षा में लिया गया तथा उनके कब्जे से चोरी की गई 03 भैंस, 03 पड़िया एवं 01 पड़वा बरामद किया गया। वादी द्वारा थाना चोपन पर भैंसों की चोरी के संबंध में तहरीर दी गई थी, जिसके आधार पर मु0अ0सं0 263/2026, धारा 303(2), 317(2) बीएनएस में अभियोग पंजी.त किया गया। घटना के अनावरण एवं अभियुक्तों की गिरतारी हेतु पुलिस टीम गठित की गई। 08.07.2026 को थाना चोपन पुलिस द्वारा मुखबिर की सूचना पर ग्राम पटेहरा, थाना घोरावल क्षेत्रान्तर्गत विनोद सिंह के खेत के पास पहाड़ी के नीचे नाले के किनारे जंगल से 02 अभियुक्तों को गिरतार किया गया एवं 01 बाल अपचारी को पुलिस अभिरक्षा में लिया गया। तलाशी के दौरान उनके कब्जे से चोरी की गई 03 भैंस, 03 पड़िया एवं 01 पड़वा बरामद किया गया। पूछताछ का विवरण गिरतार अभियुक्तों ने पूछताछ में बताया कि उन्होंने उक्त पशुओं की चोरी कर उन्हें जंगल में छिपाकर रखा था तथा अवसर मिलने पर उन्हें बेचने की योजना बना रहे थे। पुलिस द्वारा बरामद पशुओं को कब्जे में लेकर आवश्यक विधिक कार्यवाही की गई।

हैदरगढ़ में नई बस सेवा शुरू, ग्रामीणों को जिला मुख्यालय से जोड़ेगी

बाराबंकी। तहसील हैदरगढ़ में मुख्यमंत्री ग्रामीण परिवहन योजना के तहत एक नई बस सेवा का शुभारंभ किया गया। हैदरगढ़ के विधायक दिनेश रावत ने इस बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस पहल का मुख्य उद्देश्य जिले के दूरदराज और सीमावर्ती क्षेत्रों के ग्रामीणों को सीधे जिला मुख्यालय से जोड़ना है, जिससे उनकी आवागमन की सुविधा बेहतर हो सके।यह बस सेवा हैदरगढ़ बस स्टॉप से संचालित होगी। इसके मार्ग में त्रिवेदीगंज के मंगलपुर और मोहम्मदपुर धौहरहरा सहित कई प्रमुख गांव शामिल होंगे। इन क्षेत्रों के निवासियों को इस सीधी बस सेवा से काफी लाभ मिलने की उम्मीद है। विधायक दिनेश रावत ने बताया कि यह मुख्यमंत्री की एक विशेष योजना है, जिसे विशेष रूप से जिले के सीमावर्ती इलाकों में रहने वाले लोगों की सुविध ा के लिए तैयार किया गया है।भाजपा नेता और पूर्व ब्लॉक प्रमुख सुनील सिंह ने कहा कि पहले सुदूर गांवों के लोगों को जिला मुख्यालय आने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। अब सीमावर्ती इलाकों के ग्रामीण आसानी से जिला मुख्यालय आ सकेंगे। इससे कोर्ट–कचहरी के मामलों की पैरवी, गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए जिला अस्पताल पहुंचने, व्यवसाय, शिक्षा या किसी भी प्रशासनिक कार्य के लिए शहर आने–जाने वाले यात्रियों का समय और पैसा दोनों बचेगा।

बीएनएस से संबंधित वांछित अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा' के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में तथा अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) ' ऋषभ रुणवाल' के पर्यवेक्षण एवं क्षेत्राधिकारी दुद्धी ' विनय प्रभाकर साहनी' के कुशल पर्यवेक्षण में थाना म्योरपुर पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। थाना म्योरपुर पुलिस द्वारा थाना म्योरपुर पर पंजी.त 'मु0अ0सं0–77/2026, धारा 69, 351(3) बीएनएस' से संबंधित वांछित अभियुक्त 'गोपाल सिंह पुत्र उदित सिंह, निवासी ग्राम रासपहरी, थाना म्योरपुर, जनपद सोनभद्र, उम्र लगभग 27 वर्ष' को '09.07.2026' को गिरतार किया गया।

भामेपारा के पास अनियंत्रित होकर पलटा ई–रिक्शा, चार घायल; दो जिला अस्पताल रेफर

सीएचसी इकौना में प्राथमिक उपचार के बाद दो घायलों की हालत गंभीर होने पर किया गया रेफर

दैनिक बुद्ध का संदेश

इकौना/ श्रावस्ती। थाना इकौना क्षेत्र के भिनगा मार्ग पर भामेपारा गांव के पास गुरुवार को एक ई–रिक्शा अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में चालक समेत चार लोग घायल हो गए। सभी घायलों को एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) इकौना पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद दो घायलों की गंभीर हालत को देखते हुए जिला अस्पताल भिनगा रेफर कर दिया गया। जानकारी

के अनुसार, बहराइच जनपद के थाना विशेश्वरगंज क्षेत्र के खरगौरा जानूब निवासी सुनीता (36), पत्नी दिनेश, ई–रिक्शा से लालपुर खदरा जा रही थीं। भामेपारा गांव के पास पहुंचते ही चालक का वाहन से संतुलन बिगड़ गया और ई–रिक्शा अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में सुनीता के अलावा ई–रिक्शा चालक निबरू (45), पुत्र भज्जू, निवासी जमोग बाजार, थाना रुपईडीह, जनपद बहराइच गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं ई–रिक्शा में सवार दो अन्य महिलाएं भी घायल हुईं। घटना के बाद स्थानीय लोगों और परिजनों की मदद से सभी घायलों को एंबुलेंस द्वारा सीएचसी इकौना पहुंचाया गया।

चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद सुनीता और निबरू की गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें जिला अस्पताल भिनगा रेफर कर दिया। जबकि घायल दो अन्य महिलाओं का उपचार एक निजी अस्पताल में कराया जा रहा है।

साइबर ठगी के शिकार महिला के खाते में घ्20,000 की धनराशि कराई गई वापस

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र।पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा' के निर्देशन में साइबर अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) ' ऋषभ रुणवाल' के पर्यवेक्षण एवं क्षेत्राधिकारी ओबरा ' प्रभात राय' के कुशल मार्गदर्शन में थाना कोन की साइबर टीम द्वारा साइबर ठगी की शिकार महिला की संपूर्ण धनराशि वापस कराकर सराहनीय कार्य किया गया। आवेदिका पूजा देवी पत्नी विजय कुमार, निवासी ग्राम कुड़वा, थाना कोन, जनपद सोनभद्र के साथ घ्50,000 की साइबर धोखाधड़ी हुई थी। घटना के संबंध में पीड़िता द्वारा एनसीआरपी (छब्त्च्) पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई गई। शिकायत प्राप्त होते ही थाना कोन साइबर टीम द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए संबंधित बैंक से समन्वय स्थापित कर संपूर्ण धनराशि होल्ड कराई गई। इस क्रम में घ्30,000 की धनराशि पूर्व में ही आवेदिका के खाते में वापस कराई जा चुकी थी। तत्पश्चात माननीय न्यायालय के आदेश के अनुपालन में आवश्यक पत्राचार कर 'शेष घ्20,000 की धनराशि भी सफलतापूर्वक आवेदिका के बैंक खाते में वापस' कराई गई। इस प्रकार आवेदिका की घ्50,000 की संपूर्ण साइबर ठगी की धनराशि वापस कराई जा चुकी है। धनराशि वापस मिलने पर आवेदिका ने पुलिस अधीक्षक , अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन), क्षेत्राधिकारी ओबरा एवं थाना कोन साइबर टीम के अधिकारियों/कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उनके कार्यों की सराहना की।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रकः– श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स , ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट–हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद–सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादक– राजेश कुमार शर्मा
आर.एन.आई. नं.–UPHIN/2012/49458 9415163471, 9453824459 दैनिक बुद्ध का संदेश 9795951917,9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन समस्त विवाद जनपद–सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

गौरी–अब्दाली, बाबर अब नहीं...पठानों से पिटाई या भारतीय जड़ों की याद आई, मिसाइलों के नाम बदलेगा पाकिस्तान?

कल तक जिस पाकिस्तानी सेना की गीदड़भभकिया वह दिया करती थी आज उसकी हेकड़ी हवा हो चुकी है। वजह है अफगानिस्तान के तालिबान लड़ाके जो आए और वे पाकिस्तानी सेना को दौड़ा दौड़ा कर पीट रहे हैं। लेकिन इस तालिबानी मार का असर अब पाकिस्तान के मिसाइल डीपों पर दिखने लगा है। खजिन अफगान लुटेरों और आक्रांताओं को पाकिस्तान ने दशकों तक अपना नेशनल हीरो बताया। अपनी मिसाइलों का नाम जिनके नाम पर रखा आज तालिबान के डर से पाकिस्तान उन मिसाइलों के नाम बदलने पर मजबूर हो चुका है। जिस तालिबान को पाल–पोस कर पाकिस्तान ने बड़ा किया। आज वही तालिबान पाकिस्तानी सेना और मुनीर गैंग की ऐसी तैसी कर रहा है। आए दिन सीमा पर पाकिस्तानी सेना पिट रही है और इस मार का दर्द सीधे इस्लामाबाद के हुक्मरानों के दिल में बैठ गया है। तालिबान से मिल रही कूटनीति और सैन्य बल का नतीजा यह हुआ कि पाकिस्तान अब अपने इतिहास को ही बदलने की तैयारी में जुटी। भारत से नफरत और हिंदुओं को चिढ़ाने के चक्कर में पाकिस्तान ने दशकों से जिन अफगान और मध्य एशियाई लुटेरों, सुल्तानों और हमलावरों को अपना अब्बा जान बना रखा था अब उनसे तौबा की जा रही है। पाकिस्तान अब अपनी मिसाइलों जैसे गजनवी, गोरी, बाबर, अब्दाली के नाम बदलने पर विचार कर रहा है। वजह यह है कि कल तक जो पाकिस्तान के लिए इस्लामी हीरो थे, आज वह अचानक आक्रांता और डाकू नजर आने लगे हैं।

पाकिस्तान अपनी मिसाइलों और अन्य हथियारों के नाम कैसे रखता है?

विभिन्न देशों की तरह पाकिस्तान की भी अपने सैन्य हथियारों का नाम रखने की एक अनूठी परंपरा है, जो मुख्य रूप से इस्लामिक इतिहास और भारतीय उपमहाद्वीप पर आक्रमण करने वाले शासकों पर आधारित है। जहां भारत अपने हथियारों के नाम श्अग्निश या श्पृथ्वीश जैसे संस्कृत और पौराणिक शब्दों पर रखता है, वहीं पाकिस्तान ने अपनी अधिकांश बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइलों का नाम मध्य एशियाई, अफगान और तुर्क विजेताओं के नाम पर रखा है जिन्होंने अतीत में भारत पर हमले किए या यहाँ अपने साम्राज्य स्थापित किए। उदाहरण के लिए, उसकी मिसाइल श्रृंखला का मुख्य आधिकारिक नाम श्हत्फश (भ्ंजि) है, जिसका अरबी में अर्थ श्निशानाश होता है और यह पैगंबर मोहम्मद की तलवारध्ढाल से जुड़ा है। इसके अलावा, हत्फ–प्प्प् गजनवी का नाम महमूद गजनवी पर, हत्फ–ट गौरी का नाम मोहम्मद गौरी पर, हत्फ–टप्प् बाबर का नाम मुगल साम्राज्य के संस्थापक बाबर पर और तैमूर क्रूज मिसाइल का नाम 14वीं शताब्दी के क्रूर आक्रामक तैमूरलंग के नाम पर रखा गया है। यह नामकरण नीति रणनीतिक रूप से सैन्य शक्ति और एक खास ऐतिहासिक पहचान को दर्शाने के लिए अपनाई गई है।

पाकिस्तानी हथियारों के नाम अरबी शब्दों और इतिहास से प्रेरित हैं

हथियारों के नाम विजेताओं के नाम पर रखने के अलावा, पाकिस्तान अपने हथियारों के जखीरे को युद्ध और धर्म से जुड़े प्रतीकों से जोड़ने के लिए अरबी शब्दों और शुरुआती इस्लामी इतिहास का भी काफी इस्तेमाल करता है। पूरी श्हत्फश मिसाइल सीरीज और श्अंजाश एयर–डिफेंस सिस्टम के नाम पैगंबर मुहम्मद से जुड़े हथियारों (जैसे भाला और छोटा भाला) के अरबी शब्दों पर रखे गए हैं, जबकि नेवल फ्रिगेट श्जुल्फिकारश का नाम उनकी मशहूर तलवार के नाम पर रखा गया है। इसके अलावा, अल–खालिद और अल–जरार टैंक शुरुआती अरब सेनापतियों के सम्मान में रखे गए हैं, जबकि रअद (गड़गड़ाहट) क्रूज मिसाइल का नाम कुरान की 13वीं सूरह से लिया गया है। यह वैचारिक सोच सिर्फ हथियारों के सिस्टम तक ही सीमित नहीं है। पाकिस्तान की सेना का मीडिया विंग, **DG ISPR**, खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान में उग्रवादियों को षभारत के प्रॉक्सीष (भारत के इशारे पर काम करने वाले) बताने के लिए अक्सर सातवीं सदी की इस्लामी धार्मिक शब्दावली का इस्तेमाल करता है, जैसे कि श्फितना –अल–खवारिजश और फितना –अल–हिंदुस्तान। इन्हीं ऐतिहासिक संदर्भों ने सैन्य अभियानों को भी आकार दिया है। उदाहरण के लिए, 1965 में कश्मीर में घुसपैठ के पाकिस्तानी अभियान का कोडनेम ऑपरेशन जिब्राल्टरश रखा गया था, जो आठवीं सदी में स्पेन पर मुस्लिम विजय की याद दिलाता हैय इसमें गजनवी, बाबर और खालिद फोर्स जैसी टुकड़ियाँ शामिल थीं। इस्लामी इतिहास, धार्मिक अवधारणाओं और विदेशी विजेताओं के नामों का लगातार इस्तेमाल करके, पाकिस्तान की सैन्य शब्दावली ने उन हिंदू, बौद्ध और सिख परंपराओं को काफी हद तक हाशिए पर धकेल दिया है, जिन्होंने उस जमीन को आकार दिया था जिस पर आज पाकिस्तान का कब्जा है। जिस देश ने ऐतिहासिक रूप से अपनी पहचान उन लोगों से जोड़ी हो जिन्होंने इस इलाके को जीता था, वहाँ उनसे पहले के लोगों का सम्मान करने या उन्हें याद करने के लिए बहुत कम प्रोत्साहन रहा है। दक्षिण–एशियाईऔर प्रवासी

क्या पाकिस्तान अपने हथियारों के नाम बदलकर अपनी भारतीय जड़ों को फिर से अपनाएगा?

ऐसा लगता है कि पाकिस्तान अब उपमहाद्वीप की उस सांस्कृतिक विरासत को फिर से अपनाने की कोशिश कर रहा है जिसे उसने लंबे समय से नजरअंदाज किया था। आठवीं सदी में मुहम्मद बिन कासिम द्वारा सिंध की जीत पर ही मुख्य रूप से केंद्रित ऐतिहासिक सोच से आगे बढ़कर, वह अब सिंधु घाटी सभ्यता को अपनी राष्ट्रीय पहचान का एक अभिन्न अंग दिखाने के लिए डॉक्यूमेंट्री, पर्यटन अभियानों और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रचार–प्रसार का सहारा ले रहा है। फिर भी, सांस्कृतिक बदलाव में एक हैरान करने वाला विरोधाभास दिखता है। एक तरफ पाकिस्तान भारतीय सभ्यता वाली पहचान अपनाना चाहता है, तो दूसरी तरफ वह मध्यकालीन हमलावरों का सम्मान भी करता है, जिन्होंने इस इलाके पर हमले किए थेय उसने अपनी कुछ सबसे अहम मिसाइलों के नाम उन्हीं हमलावरों के नाम पर रखे हैं। दूसरे हथियारों के नाम अरबी इतिहास या शब्दावली से प्रेरित हैं। कुछ नाम तो पैगंबर मुहम्मद के हथियारों के नाम पर रखे गए हैं। इन सभी का संबंध इस्लामी संस्कृति से है, न कि भारतीय संस्कृति से।

आखिर अचानक पाकिस्तान को यह अक्ल क्यों आई?

इसके पीछे दो बड़ी वजह हैं। पहली तालिबान के हाथों मिल रही लगातार सैन्य शिकस्त और दूसरी भारत का वो कड़ा प्रहार जिसके तहत नई दिल्ली ने सिंधु जल संधि को सस्पेंड करने की चेतावनी दी है। जैसे ही भारत ने पानी रोकने का इशारा किया। प्यासे मरते पाकिस्तान और अचानक अपनी सिंधु विरासत पर गर्व होने लगा जो पाकिस्तान कल तक अरब और अफगान लिटोरों में अपनी पहचान ढूंढता था। वो आज अपनी ही जमीन के इतिहास पर वापस आने को मजबूर है। लेकिन पाकिस्तान के सामने सबसे बड़ी मुसीबत यह है कि अगर वो आक्रांताओं के नाम हटा भी दे तो मिसाइलों के नए नाम रखेगा किस पर? क्योंकि अगर पाकिस्तान अपनी जमीन पर इतिहास खोदना शुरू करेगा तो उसे सिर्फ और सिर्फ हिंदू नाम ही मिलेंगे। बच्चों को लाहौर का इतिहास ढूंढेंगे तो भगवान राम के बेटे लौ का नाम सामने आएगा। अब भला दो राष्ट्र सिद्धांत की रट लगाने वाला और भारत से नफरत की बुनियाद पर टिका पाकिस्तान किसी हिंदू शख्सियत पर गर्व कैसे कर सकता है?

पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच ये खूनी जंग क्यों छिड़ी है? : असल में दोनों देशों के बीच विवाद की सबसे बड़ी जड़ है ब्रिटिश दौर की डूरंड लाइन जिसे तालीबान सरकार सीमा मानने से साफ इंकार कर रही है। पिछले एक साल में दोनों देशों के बीच सीमा पर जमकर जंग चल रही है। डूरंड लाइन पर तारबंदी उखाड़ने से शुरू हुआ यह विवाद अब आमने–सामने की गोलीबारी में बदल चुका है। हालात यह है कि अपनी जमीन पर तहरीक तालीबान, पाकिस्तान के हमलों और सीमा पर तालीबानी फौज के कड़े प्रहारों ने जनरल आसिफ मुनीर की सेना को घुटनों पर ला दिया है। पाकिस्तान ने जिस तालीबान को भारत के खिलाफ इस्तेमाल करने के लिए पाला था। आज उसी भस्मासुर ने मुनीर सेना का गुरूर मिट्टी में मिला

खेत में कब्जे के विवाद को लेकर हमला, शिवसेना ने किया गिरफ्तारी की मांग

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। पैकोलिया थाना क्षेत्र के मुईली गांव में पुश्तैनी जमीन के बंटवारे को लेकर चल रहे विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। पीड़िता लक्ष्मी देवी ने पुलिस को

दिए शिकायती पत्र में कहा है कि खेत की जुताई और धान की रोपाई को लेकर हुए विवाद में विपक्षियों ने उनके परिवार के साथ मारपीट की, जिसमें पति–पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि उनके बेटे और बेटी को भी चोटें आईं। मामले में पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया है, लेकिन अब तक गिरफ्तारी न होने पर शिवसेना ने नाराजगी जताई है। पीड़िता लक्ष्मी देवी पत्नी छोटेलाल ने बताया कि उनके पति छोटेलाल और उनके तीन भाइयों मंगल प्रसाद, महेश कुमार तथा रामसुरेश के बीच पुश्तैनी जमीन के बंटवारे को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा है। गत 7 जुलाई की शाम करीब पांच बजे गाटा संख्या 125 व 642 में जगदीन, राहुल पुत्रगण मंगल प्रसाद, रामसुरेश पुत्र फागू तथा पूजा पुत्री मंगल प्रसाद जबरन खेत की जुताई कराकर धान की रोपाई करा रहे थे। इसे रोकने पहुंचे उनके बेटे विशाल और बेटी रोशनी के साथ गाली–गलौज करते हुए मारपीट की गई। विशाल ने फोन कर घटना की सूचना अपने माता–पिता को दी, जो उस समय किसी अन्य मामले में थाने पर मौजूद थे। पीड़िता का आरोप है कि जब वह अपने पति के साथ खेत पर पहुंचीं तो विपक्षियों ने लाठी–डंडों और धारदार हथियारों से हमला कर दिया। शोर सुनकर आसपास के लोग बीच–बचाव के लिए पहुंचे, जिसके बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। मारपीट में लक्ष्मी देवी और उनके पति को गंभीर चोटें आईं, जबकि बेटे विशाल और बेटी रोशनी को हल्की चोटें आईं। घायलों को एंबुलेंस की सहायता से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हर्रैया में भर्ती कराया गया। पीड़िता ने यह भी आरोप लगाया कि मारपीट के दौरान आरोपियों ने उनके बेटे विशाल का मोबाइल फोन भी छीन लिया, जिसमें घटना की वीडियो रिकॉर्डिंग मौजूद थी। मामले में पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। इस प्रकरण पर शिवसेना जिला प्रभारी प्रमोद पाण्डेय ने कहा कि पीड़ित परिवार संगठन के पदाधिकारी हैं। यदि संगठन के पदाधिकारी ही सुरक्षित नहीं हैं तो आम जनता की सुरक्षा पर भी सवाल खड़े होते हैं। उन्होंने कहा कि मुकदमा दर्ज होने के बावजूद आरोपियों की अब तक गिरफ्तारी नहीं हुई है। संगठन की मांग है कि सभी नामजद आरोपियों को शीघ्र गिरफ्तार कर पीड़ित परिवार को सुरक्षा प्रदान की जाए। शिवसेना जिला प्रभारी प्रमोद पाण्डेय ने कहा कि दोषी गिरफ्तार न हुये तो शिवसेना आन्दोलन को बाध्य होगी। पीड़ित परिवार का कहना है कि गिरफ्तारी न होने से आरोपियों के हौसले बुलंद हैं और वे लगातार धमकियां दे रहे हैं। इस दौरान सोनी सिंह, दीप्ति सिंह, मूराती देवी, गीता देवी, फूलमती, हरिश्चंद्र सहित अन्य लोग भी मौजूद रहे।

मोरक्को के कोच ने फ्रांस को ललकारा: फीफा वर्ल्ड कप जीतना ही असली बोनस

मोरक्को के हेड कोच मोहम्मद ओआहबी ने इन बातों को खारिज कर दिया है कि उनकी टीम ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 में उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन किया है। उनका कहना है कि एटलस लायंस का लक्ष्य खिताब जीतना है और वे गुरुवार (स्थानीय समय) को फ्रांस के खिलाफ होने वाले क्वार्टर–फाइनल के बड़े मुकाबले की तैयारी कर रहे हैं। मोरक्को का सामना फ्रांस से 2022 वर्ल्ड कप सेमी–फाइनल के रीमैच में होगा, जिसमें लेस ब्लूज ने इस उत्तरी अफ्रीकी देश के ऐतिहासिक सफर को रोक दिया था। हालांकि, इस बार वाहबी का मानना घ्है कि फ्रांस के फेवरेट होने के बावजूद उनकी टीम के पास बड़े सपने देखने की पूरी वजह है।

ओआहबी ने पत्रकारों से कहा कि हम टूर्नामेंट के आखिर में स्थिति का जायजा लेंगे। मैं अभी कुछ नहीं कहूंगा क्योंकि हम और भी बहुत कुछ हासिल कर सकते हैं। हम उन लोगों की बात नहीं सुनेंगे जो कहेंगे कि आपने अब तक जो किया है, वह शानदार है। उन्होंने कहा कि फ्रांस फेवरेट है, लेकिन हम कल जीतने और सेमी–फाइनल में जगह बनाने के लिए हर मुमकिन कोशिश करेंगे। मुझे यह सोचना पसंद नहीं है कि श्हम यहाँ तक पहुँच गए हैं, यह बहुत अच्छा है और बाकी सब तो बोनस हैश। नहीं, असली बोनस तो वर्ल्ड कप जीतना है। इसी सोच के साथ हम यहाँ तक पहुँचे हैं और आगे भी बढ़ेंगे। ओआहबी ने जोर देकर कहा कि उनके खिलाड़ियों को टूर्नामेंट की सबसे मजबूत टीमों में से एक के खघ्लिाफ बिना किसी डर के खेलना चाहिए। रॉयटर्स के अनुसार, उन्होंने कहा कि यह एसेट्स (खिलाड़ियों की काबिलियत) का सवाल नहीं है। मोरक्को की टीम भी फ्रांस की तरह ही बेहतर हो रही है। अहम बात यह है कि बिना किसी पछतावे के मैच खेला जाए। कल सुधार करने के लिए कुछ चीजें हैं। हमें 2,000: क्षमता के साथ खेलना होगा और यह नहीं सोचना चाहिए कि हमने अब तक जो किया है, वह बुरा नहीं है।

फ्रांस लगातार तीसरी बार थ्थ्। वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में जगह बनाने के इरादे से क्वार्टर फाइनल (अंतिम–8) का मुकाबला खेलने उतरेगा। डिडियर डेसचौम्प्स की टीम ने अब तक अपने सभी पांच मैच जीते हैं। उन्होंने ग्रुप ᐦ में टॉप किया, फिर स्वीडन को हराया और राउंड ऑफ 16 में कप्तान किलियन एम्बाप्पे के पेनल्टी गोल की बदौलत पैराग्वे को 1–0 से मात दी। एम्बाप्पे ने टूर्नामेंट में सात गोल किए हैं (जो लियोनेल मेसी के आठ गोल के बाद दूसरे सबसे ज्यादा हैं) और वह उस्मान डेम्बेले, माइकल ओलिस और ब्रैडली बारकोला के साथ मिलकर फ्रांस के दमदार अटैक की अगुवाई कर रहे हैं। युवा मिडफील्डर डेसिरे डौए ने भी पैराग्वे के खिलाफ निर्णायक पेनल्टी हासिल करके प्रभावित किया है।

अमेरिका-कनाडा और यूरोप में भारतीय गैंगस्टर्स पर बड़ा एक्शन, हत्या, जबरन वसूली और ड्रग्स से जुड़े आरोपों में चार्जशीट दाखिल

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संगठित अपराध के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई में, अमेरिकी ग्रैंड जूरी ने जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई और उसके गैंग के सदस्यों के खिलाफ आरोप पत्र (इंडिक्टमेंट) दायर किया है। उन पर हत्या, जबरन वसूली, गोलीबारी, ड्रग तस्करी, अपहरण और मानव तस्करी जैसे अपराधों में शामिल एक बड़े अंतरराष्ट्रीय आपराधिक नेटवर्क को चलाने का आरोप है। चार्जशीट के अनुसार, बिश्नोई जेल से ही गैंग चलाता रहा और गतिविधियों को संचालित करने के लिए मोबाइल फोन और इंटरनेट–आधारित कॉलिंग सेवाओं का इस्तेमाल करता था। अमेरिकी अधिकारियों का आरोप है कि उसका नेटवर्क कई देशों में फैला हुआ था और वह अमेरिका, कनाडा, यूनाइटेड किंगडम, यूरोप और ऑस्ट्रेलिया में सक्रिय था।

आम लोगों में डर फैलाना

आरोप है कि इस गैंग ने सोशल मीडिया पर हिंसक घटनाओं की जिम्मेदारी लेकर डर का माहौल बनाया और साथ ही अमीर व्यापारियों और मशहूर हस्तियों से पैसे ऐंठने के लिए उन्हें धमकाया और डराया–धमकाया। जांच करने वालों का आरोप है कि गैंग ने WhatsApp मैसेज और वॉयस नोट के जरिए जान से मारने की धमकी दी और करोड़ों रुपये की रंगदारी मांगी। गैंग पर सीमा–पार नशीले पदार्थों का नेटवर्क बनाने का भी आरोप है, जिसके जरिए वे अमेरिका और कनाडा में कोकीन, हेरोइन और मेथामफेटामाइन की तस्करी करते थे। चार्जशीट में यह भी कहा गया है कि गैंग न सिर्फ सीधे तौर पर ड्रग्स की तस्करी करता था, बल्कि दूसरे तस्कर समूहों से भी नशीले पदार्थ जबरदस्ती ले लेता था और मुनाफे के लिए उन्हें आगे बेच देता था।

पंजाब के युवाओं को गैंग में शामिल करना

आरोप है कि गैंग ने पंजाब के गरीब और कम उम्र के युवाओं को पैसे और शोहरत का लालच देकर अपने साथ जोड़ा। जांच के मुताबिक, गैंग के सबसे भरोसेमंद सदस्यों को बाद में अमेरिका और कनाडा भेजा गया। चार्जशीट में गोल्डी बरार, रोहित गोदारा और दूसरे साथियों का भी नाम है, जो कथित तौर पर विदेश में गैंग की गतिविधियों को संभालते थे। अमेरिकी एजेंसियों ने गुप्त मुखबिरों और अंडरकवर ऑपरेशन के जरिए इस कथित रंगदारी और ड्रग नेटवर्क का पर्दाफाश किया। चार्जशीट में अमेरिका, कनाडा और यूके में व्यापारियों से लाखों डॉलर की रंगदारी का भी जिक्र है, जिससे पता चलता है कि गैंग का आपराधिक कारोबार बड़े पैमाने पर एक ग्लोबल रैकेट बन चुका था।

अब सरदार पटेल चौक के नाम से मिलेगी पटेल चौक को नई पहचान – संजय चौधरी

दैनिक बुद्ध का संदेश

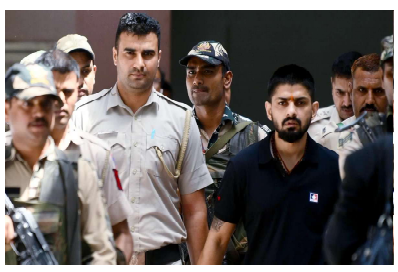

बस्ती। पटेल चौराहे से हर्दिया मार्ग पर भारत रत्न लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की स्मृति में निर्मित स्मृति द्वार का गुरुवार को जिला पंचायत अध्यक्ष संजय

चौधरी ने फीता काटकर विधिवत उद्घाटन किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में स्थानीय लोग, जनप्रतिनिधि और भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे। उद्घाटन के बाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला पंचायत अध्यक्ष संजय चौधरी ने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल ने देश की एकता और अखंडता को मजबूत करने में ऐतिहासिक योगदान दिया। उनके आदर्श और राष्ट्र निर्माण में निभाई गई भूमिका आज भी प्रत्येक भारतीय के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने कहा कि यह स्मृति द्वार आने वाली पीढ़ियों को सरदार पटेल के महान व्यक्तित्व और उनके योगदान की याद दिलाता रहेगा। साथ ही उन्होंने घोषणा की कि अब तक पटेल चौक के नाम से प्रसिद्ध यह स्थान आगे 'सरदार पटेल चौक' के नाम से जाना जाएगा। इस अवसर पर नगरपालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि अंकुर वर्मा, वरिष्ठ भाजपा नेता जगदीश प्रसाद शुक्ला, पूर्व विधायक दयाराम चौधरी, ऐश्वर्या राज सिंह, आलोक रंजन वर्मा, प्रमोद पाण्डेय, सतीश सोनकर, रोली सिंह, विनय चौधरी, प्रदीप चौधरी, अखिलेश चौधरी, विक्की, कृष्ण चंद्र गुप्ता, इंद्रेश चौधरी, अवनीश चौधरी, राहुल पाण्डेय, चन्द्र प्रकाश चौधरी, जगनारायण चौधरी के साथ ही बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

जमीन विवाद में दो पक्ष भिड़े, लात–घूंसे चले

जौनपुर । बरसठी थाना क्षेत्र में सुबह में जमीन विवाद की शिकायत करने पुलिस के पास जा रहे एक ही परिवार के दो पक्ष सड़क पर भिड़ गए। दोनों ओर से जमकर लात–घूंसे चले, जिससे कुछ देर के लिए अफरा–तफरी मच गई। सड़क से गुजर रहे राहगीरों और स्थानीय लोगों की भीड़ मौके पर जुट गई।लोगों ने बीच–बचाव कर किसी तरह दोनों पक्षों को अलग कराने की कोशिश की, लेकिन सफलता नही मिली। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों को शांत कराया। दरअसल,बारिश में कच्चा मकान गिर गया था। बड़ा भाई मकान का मरम्मत करवा था।

लेकिन उसकी मां और छोटे भाई ने गाली–गल्लौज करते हुए मकान की मरम्मत करवाने से रोक दिया।इसके बाद बड़े भाई ने डॉयल 112 को बुलाया तो पीआरडी पुलिस ने दोनों पक्षों को थाने पर जाने का निर्देश दिया था। फिलहाल पुलिस ने दोनों पक्षों की तहरीर लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। जरौटा ओझापुर गांव निवासी रामप्रवेश पुत्र रामप्रसाद का अपने छोटे भाई सुरेश से 2 महीने से जमीन को लेकर विवाद चल रहा है। इसी मामले में शिकायत दर्ज कराने दोनों पक्ष थाने जा रहे थे। रामप्रवेश ने बताया कि भारी बारिश होने के कारणरामप्रवेश पर रखा नरिया गिर गया था। आज उसी का छवाया जा रहा था। लेकिन सुरेश, मां गीता और अपने पत्नी ललिता के साथ आकर गाली गलौज करते हुए रोकने लगा। इसकी सूचना मैंने डॉयल 112 पर दी। मौके पर पहुंचे पीआरडी पुलिस ने दोनों पक्षों को थाने पर जाने का निर्देश दिया।